# सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र


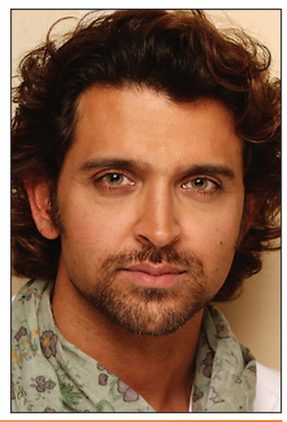


तीजोत्सव में महिलाओं ने बिखेरे संस्कृति और उमंग के रंग पेज: 4

मेरे करियर के हर पड़ाव पर पति करण बड़ा सपोर्ट बनकर सामने पेज: 8



वर्ष : 02 | अंक : 138 | शनिवार 22 अगस्त 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए


## माता-पिता पर टिप्पणी बर्दाश्त नहीं करेंगे : रोहिणी आचार्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की पुत्री रोहिणी आचार्य एक बार फिर अपने बयानों को लेकर चर्चा में हैं। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को जवाब देने के बाद अब उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से अपने रुख को स्पष्ट किया है। रोहिणी ने साफ कहा है कि उनके माता-पिता, लालू प्रसाद और राबड़ी देवी, पर यदि कोई अभद्र या अमर्यादित टिप्पणी करेगा तो वह उसका जवाब उसी भाषा में देंगी। रोहिणी ने अपने पोस्ट में लिखा कि उनके लिए माता-पिता से बढ़कर दुनिया में कोई नहीं है। उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा कि माता-पिता के खिलाफ अभद्र टिप्पणी होने पर उनकी ओर से जवाब उसी भाषा में दिया जाएगा, जिस भाषा में टिप्पणी की गई होगी। रोहिणी आचार्य ने अपने पोस्ट में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का भी विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मांझी ने किसी अन्य व्यक्ति के बयान के संदर्भ में लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के बारे में टिप्पणी की थी, जबकि उस बयान से उनके माता-पिता का कोई लेना-देना नहीं था। रोहिणी के अनुसार, मांझी ने विषय से हटकर लालू प्रसाद और राबड़ी देवी पर टिप्पणी की, जिसे उन्होंने पूर्वाग्रह से ग्रसित और ओछी टिप्पणी बताया। रोहिणी ने कहा कि एक बेटी होने के नाते ऐसी टिप्पणी का जवाब देना उनके लिए स्वाभाविक था। अपनी भाषा की मर्यादा पर बात करते हुए रोहिणी ने कहा कि वह इसका बखूबी ख्याल रखना जानती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग अपनी बात मर्यादा के दायरे में रखते हैं, वह उनकी मर्यादा का भी सम्मान करती हैं। उन्होंने उन मीडिया रिपोर्टों का भी जिक्र किया, जिनमें उनके किसी व्यक्ति के बचाव में खड़े होने या किसी का बचाव करने की बात कही जा रही थी। इस तरह के नरेटिव को सिरे से खारिज करते हुए रोहिणी ने कहा कि वह पल-पल अपनी राय बदलने वालों में से नहीं हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो उनके अनुसार गलत था या है, वह गलत ही रहेगा, चाहे वह कोई भी व्यक्ति हो। उन्होंने कहा कि वह अपने स्टैंड, राय और विचार पर दृढ़ता से कायम रहने वालों में से हैं और आगे भी इसी तरह अपने विचारों पर कायम रहेंगी। रोहिणी के इस पोस्ट को हालिया राजनीतिक बयानबाजी के बीच उनके रुख को और अधिक स्पष्ट करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

## राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम पर मचा सियासी घमासान, फडणवीस और सपकाल आमने-सामने

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के पुणे दौरे से पहले महाराष्ट्र में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के वरिष्ठ नेता हर्षवर्धन सपकाल और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर आमने-सामने आ गए हैं। फडणवीस ने दावा किया था कि राहुल गांधी का यह कार्यक्रम केवल कांग्रेस नेताओं द्वारा संचालित कॉलेजों के छात्रों तक ही सीमित रहेगा, जबकि सपकाल ने इसे सिरे से खारिज कर दिया है। सपकाल ने स्पष्ट किया कि 22 अगस्त को एआईएसएसएमएस कॉलेज मैदान में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम सभी छात्रों के लिए खुला रहेगा। कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने पुणे पहुंचे सपकाल ने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि यह छात्राओं के साथ सीधा संवाद का कार्यक्रम होगा। उन्होंने पुणे के ऐतिहासिक महत्व पर जोर देते हुए कहा, यह कार्यक्रम पुणे में हो रहा है, जो लड़कियों की शिक्षा की नींव रखने वाली सावित्रीबाई फुले और जीजामाता की भूमि है, जिन्होंने अपने पुत्र छत्रपति शिवाजी महाराज को हिंदवी स्वराज्य का मंत्र दिया। फडणवीस ने नागपुर में बयान देते हुए कहा था कि उनकी जानकारी के अनुसार, गांधी कांग्रेस नेताओं द्वारा संचालित कॉलेजों में पंजीकृत छात्रों के साथ ही बातचीत करेंगे। उन्होंने इस कार्यक्रम को एक नियंत्रित माहौल में होने वाला बताया और आशंका जताई थी कि यह खुले संवाद के बजाय एकतरफा भाषण हो सकता है। हालांकि, सपकाल ने फडणवीस के इस दावे पर कोई पाबंदी होने से साफ इनकार किया और कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। यह जुबानी जंग राहुल गांधी के पुणे में छात्रों के साथ सीधे जुड़ने के प्रयास से पहले राजनीतिक माहौल को गरमा रही है।

## गुजरात में जहरीली शराब का कहर, मृतकों की संख्या 11, अस्पताल में 20 लोगों का इलाज

भावनगर (एजेंसी)। गुजरात के भावनगर जिले में जहरीली और नकली शराब पीने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। करीब 20 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। घटना के बाद भावनगर शहर और आसपास के इलाकों में अवैध शराब की बिक्री को लेकर प्रशासन पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि नकली शराब को लोकप्रिय आईएमएफएल ब्रांड की डुप्लीकेट बोतलों में भरकर बेचा गया। पुलिस के अनुसार, शराब की कुछ खेप मध्य प्रदेश से भावनगर पहुंचने की आशंका है। मामले में पुलिस ने अब तक कई संदिग्ध शराब तस्करों को हिरासत में लिया है. बड़ी संख्या में नकली शराब की बोतलें जब्त की हैं। 21 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने की जानकारी है। गुजरात में पूर्ण शराबबंदी के बावजूद शहर और आसपास के क्षेत्रों में अवैध शराब की बिक्री के मामले सामने आने से पुलिस और आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

# युवाओं से संवाद बढ़ाएं और साइलो तोड़ें, पीएम मोदी ने दिए अधिकारियों को खास निर्देश

**-तीसरी उच्चस्तरीय सचिव बैठक में दीर्घकालिक सोच, एआई-मानव समन्वय, डेटा साझाकरण और पोर्ट-लेड विकास पर दिया जोर**

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने आवास पर भारत सरकार के सचिवों के साथ तीसरी उच्चस्तरीय बैठक में विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के भविष्य के कार्य एजेंडे की समीक्षा की। बैठक में बुनियादी ढांचा एवं कनेक्टिविटी, सुरक्षा एवं विदेश मामलों तथा सुशासन से जुड़े विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। इस दौरान प्रधानमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों से विभागीय सीमाओं से ऊपर उठकर समन्वित कार्य संस्कृति विकसित करने और युवाओं के साथ सरकार का संवाद मजबूत बनाने का आह्वान किया।

बैठक में कैबिनेट सचिव, प्रमुख मंत्रालयों एवं विभागों के सचिव तथा प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बुधवार को हुई इस हाईलेबल बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अधिकारियों को केवल मौजूदा चुनौतियों और आंकड़ों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि भारत के भविष्य को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ नीति निर्माण और क्रियान्वयन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में दूरदर्शी सोच अत्यंत आवश्यक है।
विभागों के बीच तालमेल की कमी को 'साइलो' की समस्या बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यह केवल प्रशासनिक ढांचे की नहीं, बल्कि कार्यशैली और सोच की चुनौती भी है। उन्होंने अधिकारियों से अपनी जिम्मेदारियों का स्वामित्व लेने तथा अपनापन और सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ काम करने को कहा। कोविड-19 महामारी और पश्चिम एशिया संकट का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि संकट के समय मंत्रालयों ने जिस प्रभावी समन्वय का प्रदर्शन किया था, उसे सरकार की स्थायी कार्य संस्कृति बनाया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि एआई का अधिकतम उपयोग किया जाए, लेकिन मानवीय निर्णय क्षमता और विशेषज्ञता को उसके साथ जोड़े रखना आवश्यक है। इसी प्रकार उन्होंने डेटा को देश की महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संपत्ति बताते हुए विभागों के बीच डेटा इंटरऑपरेबिलिटी और बेहतर साझाकरण की जरूरत रेखांकित की, ताकि उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग हो सके।
बैठक में विश्वविद्यालयों, शिक्षण संस्थानों और युवाओं के साथ सरकारी विभागों के संवाद को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि नई पीढ़ी की भागीदारी से नीति निर्माण में नवाचार और अपरंपरागत विचारों को प्रोत्साहन मिलेगा। रक्षा अनुसंधान, जहाज निर्माण, पोर्ट-लेड डेवलपमेंट तथा विनिर्माण एवं निर्यात उद्योगों की बेहतर कनेक्टिविटी को लेकर भी उन्होंने मिशन मोड में कार्य करने के निर्देश दिए।
बैठक के समापन पर प्रधानमंत्री मोदी ने वरिष्ठ अधिकारियों से कनिष्ठ अधिकारियों के साथ अधिक अनौपचारिक संवाद स्थापित करने, विभिन्न कैडरों और विभागों के बीच मजबूत नेटवर्क विकसित करने तथा पूरी सरकार में टीम भावना और समन्वित दृष्टिकोण को और सुदृढ़ बनाने का आग्रह किया।

## सड़कों पर तड़तड़ाने लगी गोलियां और लहराने लगे हथियार, देहरादून में छात्र गुटों का खूनी तांडव

देहरादून (एजेंसी)। शिक्षा और शांति के लिए विख्यात देहरादून की पहचान को गुरुवार को छात्र गुटों के खूनी संघर्ष ने झकझोर दिया। पलनगर इंडस्ट्रियल एरिया से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते शहर की सबसे भीड़भाड़ वाली सड़कों पर करीब तीन किलोमीटर तक फैल गया, जिसमें पिस्टल और लाठी-डंडों का जमकर इस्तेमाल हुआ। दिनदहाड़े हुए इस तांडव में छह राउंड फायरिंग हुई और एक युवक घायल हो गया, जिससे शांत शहर में दहशत फैल गई। यह घटना देहरादून के बदलते मिजाज की एक खतरनाक तस्वीर पेश करती है, जिसे अब तक सुकून और शिक्षा के केंद्र के तौर पर जाना जाता रहा है। सबसे गंभीर बात यह रही कि यह हिंसा किसी सुनसान कोने में नहीं, बल्कि शहर की मुख्य सड़कों पर हुई, जहाँ एक पक्ष कार में तो दूसरा बाइकों से पीछा कर रहा था। रास्ते में चार पुलिस पिकेट होने के बावजूद यह विवाद एक स्थान पर नहीं रुका, बल्कि शहर के भीतर दौड़ता हुआ दूसरी जगह पहुंचा। यह सिर्फ एक आकस्मिक घटना नहीं है, यह उस गंभीर समस्या की ओर इशारा करती है जब छात्र गुटों की रंजिश कैंपस की सीमाओं को लांघकर सड़क पर उतर आती है और विवाद का जवाब तर्क से नहीं, बल्कि हथियारों से दिया जाता है। देहरादून में छात्र गुटों के बीच हिंसा का यह पहला मामला नहीं है। कुछ महीने पहले हुए दिव्यांशु जटराणा हत्याकांड ने भी छात्र विवादों के खूनी अंजाम की भयावहता दिखाई थी। उस घटना के बाद छात्र गतिविधियों पर निगरानी और संस्थानों के साथ समन्वय की बातें कही गईं थीं, लेकिन गुरुवार की घटना ने एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई का असर सिर्फ घटना के बाद ही दिखाई देता है। हजारों बाहरी छात्र देहरादून में किराये के मकानों और छात्रावासों में रहते हैं, लेकिन उनकी गतिविधियों पर पुलिस सत्यापन और निगरानी का तंत्र कमजोर दिखता है।

## जयपुर में भाजपा और सीजेपी कार्यकर्ताओं में टकराव, रांका को ग्रामीणों ने खदेड़ा

**-सरकारी स्कूल का जायजा लेने पहुंचे थे सीजेपी कार्यकर्ता**

**जयपुर, एजेंसी।**
राजस्थान की राजधानी जयपुर के गांव रामपुरा-कंवरपुरा में शुक्रवार को सरकारी स्कूल के निरीक्षण को लेकर भाजपा समर्थक ग्रामीणों और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के कार्यकर्ताओं के बीच खासा विवाद हो गया। दरअसल सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका अपनी टीम के साथ एक सरकारी स्कूल की असल स्थिति का जायजा लेने पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ ग्रामीणों ने उनके स्कूल में प्रवेश का विरोध कर दिया। कहा-सुनी हुई और देखते ही देखते विवाद हाथापाई तक पहुंच गया।
प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ग्रामीणों के विरोध के बाद रांका और उनके साथ आए कार्यकर्ताओं को मौके से लौटना पड़ा। रिपोर्टों में वाहनों के शीशे टूटने और पथराव की भी जानकारी सामने आई है। हालांकि, घटना को लेकर दोनों पक्षों के आरोप अलग-अलग हैं। रांका ने आरोप लगाया कि उनके साथियों के साथ मारपीट भाजपा समर्थकों ने की, जबकि ग्रामीणों का कहना है कि वे गांव के सरकारी स्कूल में बाहरी राजनीतिक हस्तक्षेप नहीं चाहते।
मौजूदा विवाद की जड़ स्कूल भवन की खराब हालत बताई जा रही है। सीजेपी का दावा है कि बच्चे जर्जर भवन के कारण वैकल्पिक व्यवस्था में पढ़ने को मजबूर हैं। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल भवन के लिए सरकारी बजट स्वीकृत हो चुका है और वे स्वयं इसके निर्माण को लेकर प्रयास कर रहे हैं। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है और पुलिस-प्रशासन की भूमिका पर भी नजर है।

# मंदिर निर्माण से जुड़ा कोई भी कार्य समिति के अध्यक्ष के फैसले के बिना नहीं हुआ

**-पूर्व महासचिव चंपत राय ने नृपेंद्र मिश्र को लेकर नौ पन्नों का पत्र जारी कर लगाए आरोप**

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और ट्रस्ट की कार्यप्रणाली को लेकर विवाद एक बार फिर सामने आया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष रहे नृपेंद्र मिश्र को लेकर नौ पन्नों का पत्र जारी किया है। इसमें उन्होंने मंदिर निर्माण से लेकर परिसर के विकास, श्रद्धालुओं की सुविधाओं और ट्रस्ट की व्यवस्था तक कई मुद्दों पर अपनी बात रखी है।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चंपत राय ने आरोप लगाया कि मंदिर निर्माण से जुड़े अहम फैसलों में नृपेंद्र मिश्र की भूमिका बेहद प्रभावशाली रही और उनकी पसंद के लोगों को समिति में शामिल किया गया। चंपत राय के मुताबिक मंदिर निर्माण समिति की बैठकों में फैसले लिए जाते थे, लेकिन कई मामलों में बाद में बदलाव कर नृपेंद्र मिश्र के निर्णयों को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने दावा किया कि मंदिर निर्माण से जुड़ा कोई भी महत्वपूर्ण कार्य समिति के अध्यक्ष के फैसले के बिना नहीं हुआ।
पत्र में यह भी कहा गया है कि उनकी पसंद के कुछ लोग समिति में शामिल किए गए, जिनमें से कुछ छह साल में केवल एक-दो बार ही अयोध्या आए हैं।
चंपत राय ने कहा कि नृपेंद्र मिश्र के सुझाव पर लार्सन एंड टूब्रो को मंदिर निर्माण की जिम्मेदारी दी गई थी। टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स को परियोजना प्रबंधन सलाहकार बनाया गया। मंदिर के वास्तुकार चंद्रकांत सोमपुरा को 1986 में अशोक सिंघल ने चुना था और बाद में उन्हें ही निर्माण योजना में बनाए रखा। परिसर के अन्य भवनों के डिजाइन का काम नोएडा की डिजाइन एसोसिएट फर्म को दिया गया। चंपत राय ने पत्र में राम जन्मभूमि विवाद के इतिहास और मंदिर निर्माण का रास्ता साफ होने तक की घटनाओं का भी उल्लेख किया।

चंपत राय ने मंदिर की दर्शन व्यवस्था और वित्तीय प्रणाली की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद प्रतिदिन 75 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचने लगे। महाकुंभ में यह संख्या तीन लाख से ज्यादा थी। श्रद्धालुओं के लिए आठ अलग-अलग लाइनें बनाई गई हैं। ट्रस्ट के बैंक खातों में चेकबुक का इस्तेमाल नहीं होता और भुगतान बैंक ट्रांसफर से किए जाते हैं। खातों का आंतरिक और वैधानिक ऑडिट भी कराया जाता है।
बता दें राम मंदिर में चढ़ावे चोरी का मामला सामने आने के बाद चंपत राय ने 26 जून को महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद 6 जुलाई को उन्होंने ट्रस्टी अनिल मिश्र को लेकर भी आरोप लगाए थे। अब नृपेंद्र मिश्र पर जारी नौ पन्नों के पत्र से मंदिर निर्माण और ट्रस्ट की कार्यप्रणाली को लेकर विवाद फिर चर्चा में आ गया है।

## बैठक में शामिल नहीं होने का आग्रह हाई कमान से किया था: चन्नी

**सीडब्ल्यूसी की बैठक में शामिल नहीं होने पर चन्नी ने दी सफाई**

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने गुरुवार को खुलासा किया कि उन्होंने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की महत्वपूर्ण बैठक में शामिल न होने के लिए पार्टी आलाकमान से विशेष अनुमति ली थी। उन्होंने बताया कि दिल्ली में हुई इस उच्च-स्तरीय बैठक की जगह, उन्हें पंजाब विश्वविद्यालय में अपनी परीक्षा में शामिल होना था, जिसे वे किसी भी कीमत पर छोड़ना नहीं चाहते थे। चन्नी का यह स्पष्टीकरण ऐसे समय में आया है जब कांग्रेस की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था सीडब्ल्यूसी की बैठक बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित की गई थी, जिसमें देश के ज्वलंत मुद्दों पर गहन चर्चा हुई।
एक पूर्व मुख्यमंत्री के रूप में भी चन्नी का अकादमिक समर्पण उल्लेखनीय है। उन्होंने बताया कि यह उनके लोक प्रशासन में मास्टर डिग्री की अंतिम परीक्षा थी, जिसे छोड़ना उनकी डिग्री में एक साल की देरी और उनके भावी शोध कार्यों को प्रभावित करता। चन्नी ने पहले ही पंजाब विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में पीएचडी की है और अब वे सार्वजनिक नीति में सुधार के क्षेत्र में आगे शोध करने में

भी गहरी दिलचस्पी रखते हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा, अगर मैं परीक्षा नहीं देता तो मेरी डिग्री में एक साल की देरी हो जाती और इस वजह से जिस शोधकार्य को मैं करना चाहता हूं, उसमें भी देरी हो जाती। उन्होंने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के बारे में कहा कि यह लोक प्रशासन में मास्टर डिग्री की आखिरी परीक्षा थी और इसके बाद वे नीति सुधारों पर पीएचडी प्रोग्राम के लिए पंजाब विश्वविद्यालय से ही जुड़ेंगे।
सीडब्ल्यूसी की बैठक कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, अन्य वरिष्ठ नेताओं और विशेष आमंत्रित सदस्यों के अलावा कांग्रेस-शासित राज्यों के सभी चार मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में हुई थी। इस लंबी बैठक में प्रश्नपत्र लीक के विरोध में छात्रों के प्रदर्शन और अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी जैसे संवेदनशील मुद्दों पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उत्तराखंड में अपने कार्यक्रम स्थल के शुद्धिकरण के मामले पर गहरा दुख व्यक्त किया। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने पार्टी के कई सहयोगियों से समर्थन नहीं मिलने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अच्छा लिखने और अच्छा दिखने वालों ने इस मुद्दे पर आवाज नहीं उठाई। हालांकि, खरगे ने इस घटना पर मजबूती से आवाज उठाने और भाजपा-आरएसएस को घेरने के लिए कांग्रेस की उत्तराखंड इकाई की सराहना की। कार्य समिति की बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया था कि सीडब्ल्यूसी ने खरगे की सभा के स्थल के कथित शुद्धिकरण की घटना की कड़ी निंदा की है। वेणुगोपाल ने इस घटना को पूरी तरह अस्वीकार्य बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाया और मांग की कि मोदी को इस संवेदनशील मुद्दे पर माफी मांगनी चाहिए। यह घटना मल्लिकार्जुन खरगे के उत्तराखंड दौरे के बाद उनके रैली स्थल को शुद्ध करने की थी, जिसे दलित अध्यक्ष के प्रति अपमानजनक और जातिवादी रवैये के रूप में देखा गया।

# इथेनॉल नीति से महंगी हुई चीनी, कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
चीनी सहित अन्य खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों के बीच, कांग्रेस ने मोदी सरकार की ई20 नीति को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया है कि पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनॉल मिलाने की यह नीति सड़कों पर वाहन मालिकों और रसोई में आम जनता दोनों की जेब पर भारी पड़ रही है। उन्होंने दावा किया कि इससे न केवल खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ी हैं, बल्कि वाहनों का माइलेज भी कम हुआ है और उनसे जुड़ी समस्याएं भी सामने आ रही हैं।
जयराम रमेश ने 21 फरवरी को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर कहा कि गन्ने और अनाज का इथेनॉल उत्पादन में जाना खाद्य पदार्थों की उपलब्धता को प्रभावित कर रहा है। उनके अनुसार, लगभग 25 लाख टन चीनी-योग्य गन्ना इथेनॉल में चला गया, जिसके

परिणामस्वरूप केवल पिछले तीन महीनों में चीनी की कीमतें 48 रुपये से बढ़कर 67 रुपये प्रति किलो हो गईं। गुड़ भी 50 रुपये से 65 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है, जबकि चावल और मक्के के आटे में क्रमशः 16 और 11 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। पशु आहार के दाम भी 10.34 फीसदी बढ़े हैं।
कांग्रेस नेता ने यह भी सवाल उठाया कि अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में कमी और इथेनॉल मिश्रण से लागत कम होने के बावजूद पेट्रोल के दामों में कोई कमी क्यों नहीं की गई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी लगातार ई20 नीति के नाम पर हो रहे भ्रष्टाचार को प्रमुखता से उठा रहे हैं। कांग्रेस कार्यसमिति ने 19 अगस्त को ही ई 20 के कारण कम माइलेज, वाहनों की कंपैटिबिलिटी से जुड़े जोखिम, उपभोक्ताओं के सीमित विकल्पों और पर्यावरणीय क्षति के सवालों पर अपनी चिंता व्यक्त की थी। कांग्रेस ने तत्काल इस नीति की समीक्षा करने और उपभोक्ताओं को बिना इथेनॉल वाले ईंधन का विकल्प उपलब्ध कराने की मांग की है, क्योंकि गाड़ी भी महंगी और रसोई भी वाली ऐसी जनविरोधी ईंधन नीति देश को स्वीकार्य नहीं है। बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने 20 अगस्त को 10 लाख मीट्रिक टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात को मंजूरी दी है, जो बीते एक दशक में ऐसा पहला मौका है। दिल्ली में 21 अगस्त को चीनी 65 रुपये प्रति किलो बिक रही है।

# पानी समुद्र में बहे और किसान बूंद-बूंद को तरसे ये ठीक नहीं : शाह

**- दो राज्यों के जल विवाद पर अमित शाह ने दी प्रतिक्रिया**

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अंतरराज्यीय जल विवादों को बातचीत से सुलझाने के सुझाव को दक्षिण भारत के राज्यों ने समर्थन दिया है। गुरुवार को दक्षिण क्षेत्रीय परिषद की 31वीं बैठक में यह मुद्दा प्रमुखता से उठा, जहाँ लोकसभा सीटों के परिसीमन पर भी गहन चर्चा हुई। अमित शाह ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि अपने राज्य के हितों की रक्षा करना गलत नहीं है, लेकिन अगर पानी की कमी के कारण किसी राज्य को वर्षों तक वंचित रहना पड़े और पानी समुद्र में बहता रहे, तो यह किसी के हित में नहीं है।
शाह ने भारत को अगले 100 वर्षों तक पानी की कमी से बचाने के लिए ब्रह्मपुत्र से कावेरी और गोदावरी तक प्रमुख नदियों को जोड़ने का सुझाव दिया, जिससे कई जलमार्ग भी विकसित हो सकते हैं। उन्होंने उत्तर भारत में नदी जल बंटवारे के आठ में से पांच ब्रिटिश-पूर्व विवादों के सफल समाधान का उदाहरण दिया, जहां पांच महीने पहले अंतिम समझौता हुआ था। हालांकि, बैठक में लोकसभा सीटों के परिसीमन का मुद्दा विवाद का विषय बन गया। दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या के आधार पर सीटों के पुनर्वितरण से उन्हें राजनीतिक प्रतिनिधित्व में नुकसान की आशंका जताई। कर्नाटक और तमिलनाडु ने मांग की कि लोकसभा की मौजूदा 543 सीटें अगले 25 वर्षों तक बनी रहें। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने परिषद से प्रस्ताव पारित कर केंद्र से 1971 की जनगणना को परिसीमन का आधार बनाए रखने और महिलाओं के आरक्षण को मौजूदा सीटों के भीतर ही लागू करने की मांग की।

अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री भी अपनी चिंताओं के साथ सामने आए। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने तमिलनाडु को मेकेदातु बांध परियोजना से उनके हितों की रक्षा का आश्वासन दिया, हालांकि तमिलनाडु के मंत्री ने स्पष्ट किया कि कावेरी जल विवाद पर बैठक में चर्चा नहीं हुई। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कुप्पम के रास्ते आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु को जोड़ने वाले बुलेट ट्रेन कॉरिडोर और अमरावती-बेंगलुरु-चेन्नई ट्रांजिट नेटवर्क का प्रस्ताव रखा। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना ने परिसंपत्तियों और देनदारियों के बंटवारे के मामलों को गृह मंत्रालय के साथ सुलझाने पर सहमति जताई। केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने मुल्लापेरियार बांध का मुद्दा उठाया और स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, पर्यावरण संरक्षण और क्षेत्रीय सुरक्षा में सहकारी संघवाद पर जोर दिया। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमरका ने कृष्णा नदी के पानी पर राज्य के अधिकारों की सुरक्षा और सिंचाई परियोजनाओं के लिए केंद्रीय सहयोग मांगा, जबकि पुडुचेरी ने सालभर पानी की उपलब्धता के लिए केंद्र और तमिलनाडु से सहयोग की अपील की।

# संपादकीय

## हेल्थकेयर की चुनौतियां

यह विडंबना ही है कि देश में कभी भी सत्ताधीशों की प्राथमिकता सरकारी चिकित्सा-तंत्र को सक्षम बनाने की नहीं रही है। किसी भी चुनाव में स्वास्थ्य सुविधाओं को समृद्ध बनाना राजनीतिक दलों के एजेंडे में शामिल नहीं रहा। जनता भी हर आम परिवार से जुड़े सेहत के मुद्दे को जोर-शोर से उठाने में चूकती रही है। यही वजह है कि आज भी कुल मिलाकर देश के करोड़ों लोगों के लिये सस्ती व पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंच से बाहर हैं। अपने परिजनों के गंभीर रोगों के उपचार के लिये क्षमता से अधिक पैसा जुटाने के फेर में हजारों परिवार हर साल गरीबी की दलदल में धंस जाते हैं। यह गंभीर स्थिति सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में हेल्थकेयर पर बनी संसदीय समिति की हालिया रिपोर्ट साफ तौर पर दशार्ती है। नेशनल स्टैटिस्टिकल ऑफिस के 2025 के सर्वे का हवाला देते हुए संसदीय समिति ने पाया है कि सरकारी सुविधाओं में अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीज का औसत खर्च 6,631 रुपये है, जबकि प्राइवेट में यह खर्च 50,508 रुपये है। निजी अस्पताल में होने वाला यह औसत खर्च सरकारी अस्पताल में होने वाले खर्च के मुकाबले सात गुना से भी अधिक है। जो चिकित्सा सुविधाओं में व्याप्त व्यापक विसंगतियों को ही दशार्ता है। यह आंकड़ा इसलिए भी अहम है कि निजी अस्पताल अब साठ फीसदी से ज्यादा मरीजों को अस्पताल में भर्ती करते हैं और 70 फीसदी आउट पेशेंट की देखभाल करते हैं। विडंबना यह है कि सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं का अभाव लगातार बना रहता है। वहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी मरीज महसूस करते हैं। सरकारी अस्पताल की सुविधाओं में बेड, उपकरण, दवाइयां और कुशल स्टाफ की कमी देखी जाती है। मरीज को भरोसा नहीं होता है कि उसे जरूरी इलाज सरकारी अस्पताल में मिल भी पायेगा। एक संकट यह भी है कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों का दबाव बहुत ज्यादा होता है। उसके मुकाबले चिकित्सक उपलब्ध नहीं होते हैं। वहीं दूसरी ओर निजी अस्पतालों में चिकित्सकों की अच्छी आय और निजी प्रैक्टिस का सम्मोहन भी योग्य डाक्टरों को सरकारी अस्पतालों से विमुख बनाता है। यही वजह है कि पर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में मरीजों को निजी अस्पतालों में इलाज कराने के लिये बाध्य होना पड़ता है। दरअसल, उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचता, अब चाहे उनकी पैसा देने की क्षमता हो या न हो। लोगों की चिकित्सा इमरजेंसी की चिंता की वजह से स्वास्थ्य बीमा का बड़ा कारोबार देश में फल-फूल रहा है।

# चिंतन-मनन

## चैन से सोना है तो सोने को कहें ना

सोने की चमक सभी को आकर्षित करती है। इसी आकर्षण के कारण लोग अधिक से अधिक सोना खरीदने चाहते हैं। यह चाहत तब और भी बढ़ जाती है जब सोने की कीमत में अचानक थोड़ी गिरावट आती है। लोग इस मौका का लाभ उठाना चाहते हैं। आज कल बाजार में यही स्थिति है क्योंकि सोने की कीमत कमी आयी है। आइए जानें सोने के बारे में हमारे शास्त्रों क्या कहा गया है। ज्यादातर पौराणिक ग्रंथों में इस बात को कई तरह से कहा गया है कि सोने की खरीदारी से जितनी खुशी नहीं होती है उससे अधिक चिंता बढ़ जाती है। हमेशा यह चिंता सताती है कि सोना चोरी न हो जाए। इसे कैसा संभालकर रखें। पड़ोसी की नजर सोने के गहनों पर नहीं जाए, क्योंकि नजर लग जाएगी।यह भी कहा जाता है कि किसी अवसर पर सोने के गहने पहन लें तो हमेशा इसी पर ध्यान रहता है कि कहीं गिर न जाए, कोई खींच न ले। इस चिंता के कारण उत्सव का पूरा आनंद भी नहीं उठा पाते हैं। सोना सिर्फ आपको चिंतित ही नहीं करता है बल्कि आपकी सोच और व्यवहार को भी प्रभावित करता है। इससे अभिमान भी जन्म लेता है। यही कारण है कि रहीम ने लिखा है कनक कनक ते सौगुनी, मादकता अधिकाय। वा खाये बौराय नर, वा पाये बौराय।। इस दोहे में रहीम ने दो बार कनक शब्द का प्रयोग किया है। एक कनक धतूरे के लिए और दूसरा सोना के लिए। रहीम ने कहा है कि सोने का नशा धतूरे भी ज्यादा होता है। धतूरा खाने के बाद आदमी बौरा जाता है लेकिन सोने का नशा इतना तेज होता है कि इसे प्राप्त कर लेने मात्र से इंसान बौरा जाता है। पुराणों में कथा है कि कलियुग का प्रवेश भी सोने के माध्यम से हुआ था। कलियुग सोने में निवास करता है इसलिए सोने के कारण विवाद और रिश्तों में दूरियां तक आ जाती है। साधु पुरूष कहते हैं कि सोना चिंता का बड़ा कारण है। जब आप इसे पाने की सोचने लगते

**आवश्यकता है**

**आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।**

**9456884327/8218179552**

# स्कूलों के दरवाजे बंद, सवालों से क्यों डर रहीं हैं सरकारें?

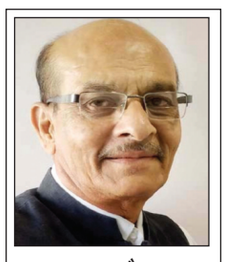

सनत जैन

जयपुर के रामपुरा-कंवरपुरा गांव में सरकारी स्कूल की स्थिति देखने पहुंचे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) कार्यकताओं के साथ ग्रामीणों की झड़प और मारपीट की घटना ने शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। सीजेपी का आरोप है, इस विरोध के पीछे भाजपा समर्थक थे। उपलब्ध रिपोर्ट में भाजपा ने दावा किया है, ग्रामीणों ने कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकताओं का विरोध करते हुए उनके साथ मारपीट कर उनके वाहनों को नुकसान पहुंचाया है। इसमें भाजपा का कोई लेना-देना नहीं है। मुद्दा केवल यह नहीं है, जयपुर में किसने किसे पीटा। असली प्रश्न यह है, सरकारी स्कूलों की वास्तविक स्थिति देखने, उसकी तस्वीर लेने और उसे जनता के सामने रखने से किसे डर लग रहा है? राजस्थान और उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों के प्रवेश तथा फोटो-वीडियोग्राफी के लिए प्रधानाचार्य की अनुमति अनिवार्य करने का आदेश क्यों सामने आया है? छात्रों से बातचीत करने पर क्यों रोक लगाई जा रही है? आदेश पर सरकार का तर्क बच्चों की सुरक्षा, निजता और विद्यालय में अनावश्यक व्यवधान को रोकने की बात कही जा रही है। यह तर्क पूरी तरह से सही नहीं है। यह आदेश ऐसे समय पर आया है जब जेन-अल्फा के स्कूली छात्र-छात्राएं अपनी मांग को लेकर कई राज्यों के कई स्थानों पर सड़क पर उतरे हैं। जब सीजेपी एवं अन्य राजनीतिक दल सरकारी स्कूलों की बदहाल स्थिति को लेकर अभियान चला रहे हैं, तब स्वाभाविक रूप से पारदर्शिता और सच को छुपाने को लेकर सवाल उठते हैं।

उत्तर प्रदेश में भी बिना अनुमति सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों और यूट्यूबर्स के प्रवेश पर रोक की खबर है। वहां भी प्रशासन का तर्क सुरक्षा और पढ़ाई में व्यवधान बताया गया है। यह कहना कि दोनों राज्यों में भाजपा की सरकारें अपनी कमियां छिपाना चाहती हैं। पारदर्शिता और सुरक्षा के बीच संतुलन कैसे बनाया जा सकता है, यह सवाल जरूर महत्वपूर्ण है। दूसरी तरफ भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े छात्र संगठनों की सक्रियता को इसी व्यापक राजनीति से जोड़ा जा रहा है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा भाजपा से जुड़े हुए अनुवांशिक संगठन लंबे समय से विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश कर-के वहां हस्तक्षेप कर रहे हैं। उन पर इस तरीके की कोई रोक-टोक नहीं है। यदि कोई संगठन स्कूल-कॉलेजों की समसस्यों को देखकर और सुनकर समाधान के लिए प्रशासन और सरकार के सामने लाना चाहते हैं, तो लोकतंत्र में उसका स्वागत होना चाहिए। यही अधिकार विपक्षी दलों और स्वतंत्र सामाजिक संगठनों को भी मिलना चाहिए। इसको लेकर राजनीति शुरू हो गई है। शिक्षा संस्थान किसी राजनीतिक दल की जागीर नहीं हैं। वे जनता के पैसे से चलते हैं। वहां पढ़ने वाले बच्चे समाज के भविष्य हैं। स्कूल की टूटी छत, जर्जर भवन, शिक्षक की कमी, शौचालय, पेयजल, प्रयोगशाला या पाठ्यपुस्तकों की कमी की किसी भी समस्या को उजागर करने वाला व्यक्ति राजनीतिक विरोधी हो सकता है। कम उम्र के छात्रों की समस्या को खत्म करने की जिम्मेदारी सरकार की ही होगी। शिक्षा का अधिकार मौलिक अधिकार में शामिल है। ऐसी स्थिति में कम उम्र के छात्रों के अधिकार को कैसे छीना जा सकता है।

जयपुर की घटना इसलिए गंभीर है, क्योंकि सीजेपी शिक्षा एवं परीक्षा संबंधी मुहिम को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय है। राजस्थान में प्रशासन, पुलिस और भाजपा कार्यकताओं से टकराव की खबरें सामने आना चिंता का कारण है। कुछ दिन पहले अलवर में जर्जर स्कूल को लेकर सीजेपी अभियान के बाद सरकार द्वारा मांगें स्वीकार किए जाने की रिपोर्ट आई थी। इसका अर्थ यह है कि दबाव बनाने वाली सक्रियता से व्यवस्था में सुधार लाया जा सकता है। राजनीति का सबसे खतरनाक रूप तब सामने आता है, जब सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जंग मुद्दों पर नहीं, बल्कि एक-दूसरे को मैदान से हटाने के लिए होने लगे। भाजपा कार्यकताओं ने किसी संगठन के कार्यकताओं पर हमला किया है? तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा है। यदि सीजेपी के कार्यकताओं ने बिना अनुमति स्कूल में प्रवेश किया या स्थानीय लोगों को आपत्ति थी, उसके लिए कानून के तहत शांतिपूर्ण ढंग से प्रतिक्रिया होनी चाहिए। भीड़ को कानून हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। सोशल मीडिया पर चल रहे जेन जेड और जेन अल्फा से जुड़े आंदोलनों को लेकर भी राजनीतिक दलों में नई रणनीतियां बनना शुरू कर दी हैं। छात्र एवं युवा अब आश्वासन राजनीतिक भाषण नहीं सुनता है। वह अपनी समस्याओं का समाधान निश्चित समय सीमा पर चाहता है। वह सवाल का जवाब भी तुरंत चाहता है। आने वाले समय में शिक्षा, रोजगार, परीक्षा व्यवस्था, फीस, डिजिटल अधिकार और सरकारी संस्थानों की पारदर्शिता बड़े राजनीतिक मुद्दे बनेंगे, इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। भाजपा और संघ परिवार यदि युवाओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों में सक्रियता बढ़ाते हैं। इसकी प्रतिक्रिया स्वरूप विपक्षी दल भी ऐसा करने का प्रयास करेंगे। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष को समान अधिकार प्राप्त हैं। मुकाबला होना चाहिए,विचारों मे हिंसा का कोई स्थान नहीं है। सरकार के लिए सबसे अच्छा रास्ता स्कूलों के दरवाजे बंद करना नहीं, स्कूलों की समस्याओं को जवाबदेही के साथ सुलझाना और पारदर्शी बनाना है। कोई भी कैमरा वहां की व्यवस्था की सच्चाई को दिखाएगा, तो व्यवस्था से जुड़े हुए लोग जवाबदेह होंगे। सरकार को इसमें शर्मिंदा होने के स्थान पर, जिन अधिकारियों के ऊपर इसकी जिम्मेदारी थी, उनके ऊपर कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि व्यवस्थाओं में सुधार हो। बाहरी लोगों के प्रवेश के लिए नियम बनाना उचित हो सकता है, मगर स्वतंत्र निरीक्षण, पत्रकारिता और जनप्रतिनिधियों की निगरानी के लिए स्पष्ट और पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए। जयपुर मैं जो घटना हुई है, उसकी निष्पक्ष जांच से सच सामने आना चाहिए। इसमें भाजपा कार्यकताओं की भूमिका है, तो उन पर कार्रवाई हो, यदि किसी पक्ष ने कानून तोड़ा है, उसके खिलाफ समान कार्रवाई हो। लोकतंत्र में सत्ता की असली ताकत विरोधी आवाज को दबाने में नहीं, बल्कि विरोधी आवाज सुनकर व्यवस्था को बेहतर बनाने में है। सरकारी स्कूलों के दरवाजे बच्चों के लिए खुले रहने चाहिए। उनकी समस्याओं पर सवाल पूछने वालों के लिए भी लोकतांत्रिक रास्ते भी खुले रहने चाहिए। सवाल स्कूल का नहीं छात्रों के मौलिक अधिकार से भी जुड़ा हुआ है। यदि 16 साल से कम उम्र के छात्र सड़कों पर आकर प्रदर्शन कर रहे हैं, यह सरकार के लिए शर्मिंदगी का कारण है। वर्तमान का बच्चा अपनी जरूरत के लिए इसी तरह का प्रदर्शन अपने घर पर भी करता है और अब वह स्कूल में उसकी जो जरूरत है उन मांगों को लेकर जब सड़कों पर उतर रहा है तो इस मामले को दबाया नहीं जा सकता है। बच्चे तो बच्चे हैं, जिद करेंगे, जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होगी। उनका प्रदर्शन आक्रामक ही होता जाएगा।

# सड़क पर पैदल चलना भी मौलिक अधिकार, फिर फुटपाथ क्यों बेहाल?

सुनील कुमार महला

सड़क पर पैदल चलना मौलिक अधिकार है, लेकिन आज भारत के कई शहरों में पैदल चलना भी एक बड़ी चुनौती बन गया है। दरअसल, आज भी बहुत से शहरों में फुटपाथ या तो बने ही नहीं हैं, या उन पर अतिक्रमण, पार्किंग और निर्माण सामग्री के कारण लोगों के चलने की जगह नहीं बचती। ऐसे में यहां पर प्रश्न यह उठता है कि जब किसी व्यक्ति के पास सड़क पर सुरक्षित रूप से पैदल चलने की जगह ही नहीं है, तो उसे वास्तव में आवागमन की आजादी कैसे मिल सकती है?

उक्त संदर्भ में यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि कुछ समय पहले ही यानी कि 19 जून 2026 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में यह कहा है कि सुरक्षित और निर्धारित पैदल मार्ग पर चलना भी संविधान के अनुच्छेद 19(1)(डी) के तहत आवागमन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। वास्तव में, यह मामला उस दुखद घटना से जुड़ा हुआ था, जिसमें पांच साल के एक बच्चे की सड़क पर टैंकर की चपेट में आने से मौत हो गई थी। वहां न फुटपाथ था और न ही सड़क पार करने की सुरक्षित व्यवस्था। कहना गलत नहीं होगा कि आज कई भारतीय शहरों में फुटपाथ पर अतिक्रमण, टूटे या गायब फुटपाथ, सड़क पार करने के लिए अपर्याप्त क्रॉसिंग, तेज रफ्तार वाहन और यातायात नियमों का उल्लंघन पैदल यात्रियों के लिए जोखिम बढ़ाते हैं और हमारे देश में पैदल यात्रियों की सुरक्षा अभी भी एक गंभीर चुनौती है। आंकड़ों की बात करें तो सरकारी भारत में सड़क दुर्घटनाएँ-2023 के अनुसार, वर्ष 2023 में 35,221 पैदल यात्रियों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत हुई, जो कुल सड़क दुर्घटना मौतों का 20.4% थी।सच तो यह है कि आज पर्याप्त पैदल यात्री बुनियादी ढाँचे की आवश्यकता है?। यहां पाठकों को बताता चलूं कि फुटपाथों का निर्माण और रखरखाव मुख्यतः राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के दायरे में आता है, इसलिए सरकारों और संबंधित निकायों को इन पर ध्यान देना चाहिए। यहां पाठकों को बताता चलूं कि वैसे विश्व में सड़क की गुणवत्ता, फुटपाथ, पैदल पार-पथ, ट्रैफिक नियंत्रण और पैदल यात्रियों की सुरक्षा के मामलों में नीदरलैंड को दुनिया के सबसे अच्छे उदाहरणों में गिना जाता है। सच तो यह है कि नींदरलैंड पैदल चलने के लिए दुनिया में एक अग्रणी देश है, जहां पैदल और साइकिल यात्रियों के लिए अलग एवं सुरक्षित मार्ग, कम गति वाले क्षेत्र और बेहतर सड़क डिजाइन उपलब्ध हैं। नींदरलैंड के बाद डेनमार्क विशेषकर कोपेनहेगन में पैदल यात्रियों के लिए सुव्यवस्थित फुटपाथ, क्रॉसिंग और ट्रैफिक-शांत क्षेत्र हैं। वहीं पर स्वीडन विश्व में कम पैदल मृत्यु दर और मजबूत सड़क-सुरक्षा व्यवस्था के कारण अग्रणी देशों में शामिल है।नॉर्वे(यूरोप में) तथा फिनलैंड भी पैदल मार्गों और सड़क पार करने की सुरक्षित व्यवस्था के मामले में विश्व में अहम और महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

हाल फिलहाल, यहां यह कहना चाहूंगा कि 19 जून 2026 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने सड़क पर पैदल चलने के संदर्भ में जो फैसला दिया है,इस फैसले का सीधा सा संदेश यही है कि सरकार और स्थानीय निकायों की यह जिम्मेदारी है कि ये लोगों को सुरक्षित फुटपाथ और सड़क पार करने की उचित सुविधा उपलब्ध कराएं। वास्तव में,सच तो यह है कि नगर निगम, नगरपालिका, शहरी विकास प्राधिकरण और पंचायतों को आगे आकर इस दिशा में गंभीरता और संवेदनशीलता से काम करना होगा।बहरहाल, यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो, आंकड़े हमारी चिंताएं बढ़ाते हैं। यह बहुत ही दुखद है कि सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों में लगभग 20 प्रतिशत से अधिक लोग पैदल यात्री होते हैं। कई शहरों में फुटपाथ टूटे हुए, संकरे, असुरक्षित या लगातार बाधित पाए गए हैं। यानी समस्या केवल फुटपाथ बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित, चौड़ा, समतल और सभी के लिए सुगम बनाने की है। वास्तव

में,इसके लिए यह बहुत ही जरूरी है कि फुटपाथों पर अतिक्रमण और अवैध पार्किंग न हो, वहां पर पर्याप्त रोशनी हो, सड़क पार करने के लिए सुरक्षित क्रॉसिंग बने और दिव्यांगजनों के लिए रैंप तथा अन्य सुविधाएं उपलब्ध हों। सड़क की खुदाई या निर्माण कार्य के दौरान भी पैदल यात्रियों के रास्ते को पूरी तरह बंद नहीं किया जाना चाहिए।

निष्कर्षतः यह बात कही जा सकती है कि सड़कें केवल वाहनों के लिए नहीं हैं। पैदल यात्री, बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और दिव्यांगजन सभी सड़क के बराबर अधिकार रखते हैं। सुरक्षित फुटपाथ उपलब्ध कराना सुविधा नहीं, बल्कि नागरिकों के मौलिक अधिकार और सरकार की जिम्मेदारी का हिस्सा है।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार।)

# कब तक जारी रहेगा जहरीली शराब का जानलेवा कहर?

भारत में जहरीली शराब से होने वाली मौतें एक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती बनी हुई हैं, जिसमें ड्राई स्टेट शराबबंदी वाले राज्यों से लेकर अन्य राज्यों तक लगातार दुखद घटनाएं सामने आती रहती हैं। ताजा मामला अगस्त 2026 में गुजरात के भावनगर का है, जहां नकली विदेशी शराब के नाम पर बेची गई जहरीली शराब पीने से 7 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हैं।

जहरीली शराब का यह जानलेवा सिलसिला देश के विभिन्न हिस्सों में समय-समय पर देखने को मिलता है एक गंभीर सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौती बना हुआ है। ट्रांसनेशनल अलायंस टू कॉम्बैट इलिसिट ट्रेड जैसी संस्थाओं के अनुसार, भारत में अवैध शराब की खपत दुनिया के सबसे बड़े अवैध बाजारों में से एक है। यह न केवल सरकारी राजस्व को भारी चोट पहुँचाता है, बल्कि इसके कारण हर साल सैकड़ों निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है।देश भर में आए दिन जहरीली और नकली शराब से होने वाली मौतें अब केवल दुर्घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि ये घटनाएं हमारी व्यवस्था, कानून और समाज के सामने एक गंभीर सवाल हैं । कुछ दिन सप्ताह माह के अन्तराल पर देश के किसी न किसी हिस्से से खबर आती है कि नकली शराब पीने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ी, कई अस्पताल पहुंचे और कुछ ने दम तोड़ दिया। प्रशासन सक्रिय होता है, गिरफ्तारियां होती हैं, जांच बैठती है, मुआवजे की घोषणा होती है और कुछ समय बाद मामला ठंडे बस्ते में पहुंच जाता है। फिर किसी दूसरे शहर, गांव या राज्य में वही कहानी दोहराई जाती है। सवाल यही है, आखिर यह सिलसिला कब थमेगा ?

आपको बता दें कि ताजा मामला गुजरात के भावनगर जिले का है। गुजरात उन राज्यों में है जहां लंबे समय से शराबबंदी लागू है। इसके बावजूद भावनगर में कथित नकली शराब पीने के बाद कई लोगों की मौत और बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने की घटना सामने आई है। स्थानीय प्रशासन ने चार लोगों की मौत की जानकारी दी थी, जबकि अन्य लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा था। शुरूआती रिपोटों में मौतों की संख्या कम थी, जो बाद में बढ़ी। यह घटना इसलिए भी अधिक गंभीर है, क्योंकि जिस राज्य में शराब की बिक्री और सेवन पर कानूनी प्रतिबंध है, वहां नकली शराब लोगों तक पहुंच कैसे रही है? पुलिस की शुरूआती जांच में एक लोकप्रिय ब्रांड के नाम पर डुप्लीकेट शराब बेचे जाने और इसके मध्य प्रदेश से लाए जाने की आशंका सामने आई है। पुलिस ने इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को हिरासत में भी लिया है। लेकिन भावनगर कोई पहली घटना नहीं है।हाल ही में मई माह में महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ त्रासदी इलाकों में जहरीली शराब पीने से 14 से 18 लोगों की जान चली गई। पुलिस जांच के अनुसार, अवैध रूप से अधिक मुनाफा कमाने के लिए इंडस्ट्रियल ग्रेड का घातक मेथनॉल मिक्स किया गया था।मई माह में ही पंजाब के अमृतसर के पांच गांवों में जहरीली शराब पीने से 14 लोगों की मौत हुई थी। गुजरात ने जुलाई 2022 में भी भयावह शराब त्रासदी देखी थी। बोटाद और आसपास के इलाकों में जहरीली शराब से 42 लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। उस समय भी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई हुई, अधिकारियों का तबादला हुआ और अवैध शराब के नेटवर्क को तोड़ने के दावे किए गए थे। सवाल है कि चार वर्ष बाद भी यदि नकली शराब लोगों तक पहुंच रही है तो पिछली कार्रवाई से हमने आखिर सीखा क्या? यह समस्या केवल गुजरात तक सीमित नहीं है। पंजाब, बिहार, तमिलनाडु, असम, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और कई अन्य राज्य समय-समय पर ऐसी त्रासदियों के गवाह बने हैं। तमिलनाडु के कालाकुरिची में जून 2024 में मेथेनॉल मिली अवैध शराब ने दर्जनों परिवारों को उजाड़ दिया था। आधिकारिक कार्रवाई के दौरान अवैध शराब जब्त हुई, गिरफ्तारियां हुई और प्रशासनिक अधिकारियों पर भी कार्रवाई की गई। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों में भी अवैध एवं नकली शराब के सेवन से होने वाली मौतों को अलग श्रेणी में दर्ज किया जाता है। उपलब्ध एनसीआरबी आधारित डेटा 2012 से 2024 तक राज्य वार ऐसी मौतों का हवाला देता है। इससे इतना तो साफ है कि यह किसी एक राज्य या एक क्षेत्र विशेष की समस्या नहीं, बल्कि दशकों से चली आ रही एक खतरनाक चुनौती है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अक्सर इन घटनाओं में मरने वाले लोग समाज के आर्थिक रूप से दुर्बल कमजोर वर्ग से आते हैं। सस्ती शराब की तलाश उन्हें ऐसे अवैध कारोबारियों तक पहुंचा देती है जिन्हें न गुणवत्ता की चिंता होती है, न कानून का भय और न इंसानी जीवन की कीमत का एहसास। अधिक नशा पैदा करने या लागत कम रखने के लिए शराब में मेथेनॉल जैसे जहरीले रसायनों की मिलावट जानलेवा साबित हो सकती है। कल्लाकुरिची मामले में भी मेथेनॉल मिश्रित शराब की पुष्टि सामने आई थी। अधिकरत देखा जाता है कि हर बड़ी आसदी के बाद प्रशासन की एक परिचित तस्वीर सामने आती है। छापेमारी शुरू होती है, अवैध ठिकाने बंद किए जाते हैं, संदिग्ध गिरफ्तार होते हैं और पुलिस अधिकारियों से जवाब मांगा जाता है। लेकिन असली चुनौती घटना के बाद कार्रवाई करने की नहीं, घटना होने से पहले नेटवर्क को समाप्त करने की है। अवैध शराब का कारोबार अकेले किसी गली या गांव में बैठा व्यक्ति नहीं चला सकता। कच्चा माल कहां से आता है? बोतलें कहां बनती हैं? लोकप्रिय कंपनियों के नाम और लेबल की नकल कैसे होती है? माल एक जिले से दूसरे जिले और कई बार एक राज्य से दूसरे राज्य तक कैसे पहुंचता है? परिवहन, भंडारण और बिक्री की जानकारी स्थानीय स्तर पर किसी को क्यों नहीं मिलती? यदि वर्षों तक कारोबार चलता रहता है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कहीं न कहीं प्रशासनिक लापरवाही, स्थानीय संरक्षण या भ्रष्ट तंत्र भी इसका रास्ता आसान कर रहा है। शराबबंदी वाले राज्यों के लिए यह समस्या और बड़ी चुनौती है। केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं होता। यदि वैध बिक्री बंद होने के बाद अवैध बाजार पैदा हो जाए और उसकी निगरानी कमजोर रहे तो तस्करों को अधिक मुनाफे का अवसर मिलता है। शराबबंदी का उद्देश्य समाज को नशे से बचाना है, लेकिन यदि उसी व्यवस्था के भीतर जहरीली शराब का संगठित बाजार फलने लगे तो नीति की समीक्षा और क्रियान्वयन दोनों जरूरी हो जाते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि शराबबंदी गलत है या शराब की खुली बिक्री समाधान है। असली प्रश्न नीति से अधिक उसके प्रभावी क्रियान्वयन का है। जहां प्रतिबंध है वहां अवैध सप्लाई पर कठोर निगरानी होनी चाहिए और जहां शराब की कानूनी बिक्री है वहां नकली उत्पादों की पहचान और वितरण व्यवस्था पर नियंत्रण मजबूत होना चाहिए। सरकारों को अब प्रत्येक त्रासदी के बाद केवल मुआवजा देने और कुछ लोगों को निलंबित करने से आगे बढ़ना होगा। अवैध शराब के मामलों में सप्लाई चेन की तह तक जांच, औद्योगिक मेथेनॉल की बिक्री और परिवहन की निगरानी, नकली ब्रांड और पैकेजिंग बनाने वालों पर कार्रवाई तथा बार-बार अवैध कारोबार में पकड़े जाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी है।यह सारा अवैध कारोबार बिना सरकारी तंत्र की मिलीभगत के सम्भव नहीं है स्थानीय पुलिस और आबकारी अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। इसके साथ ही ग्रामीण और गरीब बस्तियों में जागरूकता बढ़ानी होगी। लोगों को बताया जाना चाहिए कि अनजान स्रोत से खरीदी गई शराब जानलेवा हो सकती है। संदिग्ध शराब पीने के बाद उल्टी, चक्कर, दृष्टि धुंधली होने वा अन्य परेशानी के मामलों में तुरंत अस्पताल पहुंचना बेहद जरूरी है। कई बार इलाज में देर भी मौतों की संख्या बढ़ा देती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जहरीली शराब से हुई हर मौत को महज एक आंकड़ा समझने की मानसिकता बदलनी होगी। मरने वाला किसी परिवार का कमाने वाला सदस्य, बेटा, पिता या भाई होता है। उसके जाने के बाद परिवार केवल भावनात्मक नहीं बल्कि आर्थिक संकट में भी डूब जाता है। देश में तकनीक बड़ी है, पुलिस के पास आधुनिक संसाधन हैं, राज्यों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान पहले से आसान हुआ है। ऐसे में यह स्वीकार करना मुश्किल है कि अवैध शराब की पेटियां एक राज्य से दूसरे राज्य तक पहुंचे और व्यवस्था को भनक तक न लगे। भावनगर की घटना फिर चेतावनी दे रही है कि नकली शराब केवल कानून-व्यवस्था का सवाल नहीं, बल्कि मानव जीवन की सुरक्षा का प्रश्न है। कार्रवाई तब सार्थक होगी जब अगली त्रासदी होने से पहले अपराधी नेटवर्क खत्म किया जाए। हर घटना के बाद वही सवाल पूछने की मजबूरी आखिर कब समाप्त होगी, कब थमेगा जहरीली शराब का कहर और कब बंद होगा बेगुनाहों की मौतों का यह सिलसिला। एक मौत पूरे परिवार को मार देती है कई बार परिवार के एक मात्र कमाने वाले सदस्य की मौत से पूरा परिवार प्रभावित होता है। सरकार को इन मामलों को गंभीरता से लेना चाहिए।

अमरोहा
शनिवार 22 अगस्त 2026
www.sabkasapna.com

# अमरोहा

हिंदी दैनिक
सब का सपना 3

## डेयरी कर्मी की हत्या का 24 घंटे में सफल अनावरण, सहकर्मी गिरफ्तार

### हत्या में प्रयुक्त पंजी/जाली और पेट्रोल की सीसी बरामद

**नौगावां सादात/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के थाना नौगावां सादात पुलिस ने ग्राम नाजरपुर कलां में डेयरी कर्मी की हत्या की गुत्थी 24 घंटे के अंदर सुलझा ली। पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले मृतक के सहकर्मी को गिरफ्तार कर लिया है। अभियुक्त के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त आलाकत्ल भूसा निकालने वाली पंजी/जाली तथा पेट्रोल की सीसी बरामद की गई है। 19 अगस्त को वादी राकेश प्रधान पुत्र चन्द्रपाल सिंह निवासी ग्राम नाजरपुर कलां ने सूचना दी कि उनकी डेयरी पर कार्यरत प्रदीप कुमार पुत्र ओमप्रकाश सिंह, निवासी ग्राम हाफिजपुर, जनपद मुरादाबाद का शव डेयरी के भूसे वाले कमरे में पड़ा हुआ है।

सूचना पर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। घटना की गंभीरता को देखते हुए फील्ड यूनिट, डॉग स्क्वॉड एवं उच्चाधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया। इस संबंध में थाना नौगावां सादात पर मु0अ0सं0 332/2026 धारा 103(1)/238 बीएनएस पंजीकृत किया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल से प्राप्त साक्ष्यों और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर गहन विवेचना कर घटना का अनावरण किया। विवेचना में पता चला कि डेयरी पर मृतक के साथ कार्यरत निकेश पुत्र मिथलेश राय, उम्र 25 वर्ष, निवासी ग्राम हरिहरपुर, थाना बथनाह, जनपद सीतामढ़ी, बिहार ने घटना को अंजाम दिया। पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि मृतक द्वारा उसे डांटने, गाली-गलौज करने एवं मारपीट करने से क्षुब्ध होकर 17/18 अगस्त की रात्रि में उसने सोते समय मृतक के सिर पर डेयरी में रखी भूसा निकालने वाली पंजी/जाली से वार किए। इसके बाद पेट्रोल डालकर आग लगाने तथा शव को भूसे वाले कमरे में छिपा दिया। पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर आलाकत्ल और पेट्रोल की सीसी बरामद की। खबर लिखे जाने तक अभियुक्त को न्यायालय में पेश किया जा रहा था।

## अमरोहा में 25 अगस्त को अप्रेन्टिस व रोजगार मेले का होगा आयोजन

**अमरोहा (सब का सपना):-** युवाओं को रोजगार के सुनहरे अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), ग्राम केशोपुर, कैलसा रोड, अमरोहा में आगामी 25 अगस्त 2026 को पूर्वाह्न 10:00 बजे अप्रेन्टिस एवं रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण मेले में बाह्य जनपद की प्रतिष्ठित कंपनी अशोका लेलैंड, पंतनगर भाग लेगी। कंपनी विभिन्न व्यवसायों में आईटीआई, हाईस्कूल, स्नातक, डिग्री तथा डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का चयन अप्रेन्टिसशिप एवं रोजगार के लिए करेगी। मेला

उन युवाओं के लिए विशेष रूप से लाभकारी साबित होगा, जो तकनीकी एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में अपना करियर बनाना चाहते हैं। संस्थान के प्रधानाचार्य राहुल कृष्ण शर्मा ने बताया कि यह मेला स्थानीय एवं आसपास के युवाओं को सीधे कंपनी प्रतिनिधियों से मिलने और अपनी योग्यता के अनुसार चयन का मौका देगा। अशोका लेलैंड जैसी नामी कंपनी की भागीदारी से अभ्यर्थियों को उद्योग जगत की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण और रोजगार दोनों के द्वार खुलने की संभावना है। सभी इच्छुक और योग्य अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि व समय पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, ग्राम केशोपुर, कैलसा रोड, अमरोहा में अवश्य उपस्थित हों। साथ में शैक्षिक प्रमाणपत्र, पहचान पत्र और अन्य आवश्यक दस्तावेज लेकर आएं, ताकि चयन प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

## बेहतर शिक्षा और कुशल व्यवहार से ही बनेगा सफल भविष्य

### श्रीराम अकैडमी में प्रधानाचार्या शिवांगी सिंह ने बच्चों को समझाया शिक्षा का महत्व

**अमरोहा (सब का सपना):-** उत्तर प्रदेश के जनपद अमरोहा के विकासखंड गंगेश्वरी के गांव कोकापुर में स्थित श्रीराम अकैडमी विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ संस्कार और अनुशासन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विद्यालय की प्रधानाचार्या शिवांगी सिंह बच्चों को शिक्षा के महत्व और कुशल व्यवहार की सीख देकर उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार कर रही हैं। विद्यालय में आयोजित एक विशेष सभा में प्रधानाचार्या शिवांगी सिंह ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि बेहतर शिक्षा के साथ कुशल व्यवहार होना भी उतना ही जरूरी है। केवल किताबी ज्ञान से ही सफलता नहीं मिलती, बल्कि अच्छे

आचरण, अनुशासन और मेहनत से ही व्यक्ति जीवन में आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को सोचने-समझने की शक्ति देती है और उसे समाज में सम्मान दिलाती है। आज के प्रतिस्पर्धी समय में विद्यार्थियों को समय की पाबंदी, स्वच्छता, बड़ों का सम्मान और नियमित अध्ययन की आदत डालनी चाहिए। शिवांगी सिंह ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे बच्चों को मोबाइल और टीवी से दूर रखकर पढ़ाई के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि शिक्षक और अभिभावक मिलकर प्रयास करेंगे तभी हम अपने बच्चों को संस्कारी और जिम्मेदार नागरिक बना पाएंगे इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों ने भी बच्चों को कड़ी मेहनत, लक्ष्य निर्धारण और सकारात्मक सोच के मंत्र दिए। शिक्षकों ने बताया कि श्रीराम अकैडमी का उद्देश्य केवल अच्छे अंक लाने वाले छात्र तैयार करना नहीं है, बल्कि ऐसे विद्यार्थी तैयार करना है जो चरित्रवान, अनुशासित और देश के अच्छे नागरिक बनें। कार्यक्रम के अंत में छात्र-छात्राओं ने संकल्प लिया कि वे मेहनत और अनुशासन से अपने माता-पिता और विद्यालय का नाम रोशन करेंगे। विद्यालय परिसर में अनुशासन और उत्साह का माहौल रहा। इस मौके पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

## अमरोहा में प्रधानमंत्री पोषण योजनान्तर्गत रसोइया का होगा सम्मान समारोह

**अमरोहा (सब का सपना):-** प्रधानमंत्री पोषण योजना के अंतर्गत कार्यरत रसोइयों के सम्मान समारोह का आयोजन मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ में किया जा रहा है। यह कार्यक्रम लखनऊ मुख्यालय के साथ-साथ जनपद एवं तहसील स्तर पर भी जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में होने वाले कार्यक्रम के तुरंत बाद समस्त जनपदों के मुख्यालय एवं तहसीलों में प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायक, अन्य जनप्रतिनिधि, जिलाधिकारी, मुख्य विकास

अधिकारी एवं जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इनमें जनसामान्य, शिक्षक एवं रसोइयों की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। जनपद स्तर पर मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी दिखाया जाएगा। कार्यक्रम समाप्ति के बाद जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में रसोइयों को प्रतीकात्मक कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए जाएंगे। अमरोहा जिला प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। बेसिक शिक्षा विभाग के डीसी मनोज कुमार ने बताया कि रविवार को कलेक्ट्रेट परिसर में रसोइया सम्मान समारोह का आयोजन होगा। इस दौरान जनपद के सभी विकास खंडों से 75 रसोइया प्रतिभाग करेंगे। जनपदवार आवंटित व्यय सीमा के अंतर्गत उपलब्ध सभागारों का उपयोग करते हुए कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार एवं मीडिया कवरेज सुनिश्चित किया जा रहा है।

## बछरायूं में युवक को पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीटा, इलाज के दौरान मौत

### बैटरी चोरी के शक में दिया घटना को अंजाम,पुलिस ने दो के खिलाफ किया केस दर्ज

**बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के मंडी धनौरा के थाना बछरायूं क्षेत्र में एक युवक को चोरी के शक में कुछ लोगों ने पेड़ से बांधकर लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा। इसके बाद उस युवक की अमरोहा में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर दो लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। वहीं युवक की मौत से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है उधर परिजनों ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। बता दें कि पूरा मामला थाना बछरायूं क्षेत्र के रामपुर खादर गांव का है जहां 18 अगस्त को बैटरी चोरी के शक में 35 वर्षीय किसान राकेश को कुछ

लोगों ने पकड़ लिया। ग्रामीणों और परिजनों के अनुसार, उसे पेड़ से बांधकर लाठी-डंडों से पीटा गया और गंभीर हालत में गांव के बाहर छोड़ दिया गया। परिजन उसे शेरपुर के निजी अस्पताल ले गए, जहां उसका उपचार चल रहा था। गुरुवार की शाम 7 बजे हालत बिगड़ने पर परिजन उसे दूसरे अस्पताल ले जा रहे थे, तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिजन शव लेकर थाने पहुंचे। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। रामपुर खादर निवासी राकेश खेती-बाड़ी करता था। ग्रामीणों के अनुसार, 18 अगस्त को पड़ोसी गांव सुल्तानपुर में एक किसान के यहां से बैटरी चोरी हुई थी। इसी घटना के शक में ढाको वाली गांव के कुछ लोगों ने राकेश को पकड़ लिया। परिजनों के अनुसार, राकेश को पेड़ से बांधकर लाठी-डंडों से पीटा गया। इसके बाद उसे गंभीर हालत में गांव के बाहर रास्ते पर छोड़ दिया गया। घटना से पहले राकेश का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल होने की बात सामने आई है। घटना के बाद घर में जुटीं महिलाएं परिजनों के बीच गमगीन माहौल में ढांढस बंधाती नजर आईं। इलाज के दौरान बिगड़ी हालत परिजन राकेश को शेरपुर के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां उसका इलाज चल रहा था। भतीजे मोहित के अनुसार, 20 अगस्त को हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने उसे बड़े अस्पताल ले जाने की सलाह दी। दूसरे अस्पताल ले जाते समय शाम करीब सात बजे रास्ते में उसकी मौत हो गई।राकेश की मौत के बाद पत्नी मुकेश देवी और उनके दो बेटों अरुण (9) और लवकुश (7) का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस मुस्तैद है। मौत के बाद परिजन शव लेकर बछरायूं थाने पहुंचे और मामले में कार्रवाई की मांग की।थाना प्रभारी अतवीर चौहान ने बताया कि इस मामले में दो लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है।

## 12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर तहसीलदारों की बैठक आयोजित

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिला जज/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विवेक के निर्देशन में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 12 सितंबर 2026 को सफल बनाने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के सचिव अभिषेक कुमार व्यास की अध्यक्षता में तहसीलदारों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के समस्त तहसीलदारों ने प्रतिभाग किया। बैठक में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अभिषेक कुमार व्यास ने लोक अदालत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आम जनता को त्वरित, सस्ता और सुलभ न्याय दिलाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने तहसीलदारों को निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्रों में लंबित राजस्व एवं अन्य मामलों की पहचान कर उन्हें अधिक से अधिक संख्या में लोक अदालत में निस्तारित कराने

की तैयारी सुनिश्चित करें। साथ ही आमजन को लोक अदालत के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने पर जोर दिया गया। बैठक में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत ज्योति चौधरी ने आगामी लोक अदालत को लेकर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों में लंबित राजस्व एवं अन्य मामलों की पहचान कर अधिक से अधिक मामलों को

लोक अदालत में निस्तारित कराने की तैयारी सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही आमजन को लोक अदालत के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से आपसी सहमति से मामलों का निपटारा किया जाता है, जिससे समय और धन दोनों की बचत होती है। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे लंबित मामलों की सूची तैयार कर अधिक से अधिक वादकारियों को लोक अदालत में शामिल होने के लिए प्रेरित करें। बैठक के दौरान यह भी निर्देशित किया गया कि सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें, जिससे अधिक से अधिक मामलों का निपटारा हो सके और लोगों को शीघ्र न्याय मिल सके। अंत में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने सभी अधिकारियों से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान करते हुए आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने की अपील की।

## गजरौला पुलिस ने 01 आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा

**गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद की गजरौला थाना पुलिस ने एक नफर अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है पुलिस द्वारा इस कार्यवाही को अमरोहा पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निदेशानुसार अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध जनपद भर में चलाये जा रहे अभियान के तहत किया है। बता दें कि शुक्रवार को थाना गजरौला पुलिस द्वारा 01 नफर अभियुक्त आकाश चौहान पुत्र पीतम चौहान निवासी मौ0 मायापूरी थाना गजरौला जिला अमरोहा उम्र करीब 27 वर्ष सम्बन्धित अ0अ0सं0 452/2026 धारा 69,351(2) बीएनएस को गिरफ्तार किया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक थाना गजरौला पर वादिनी की तहरीर के आधार पर बाबत अभियुक्त द्वारा वादिनी के साथ शादी का झाँसा देकर शारीरिक सम्बन्ध बनाना व वादिनी द्वारा शादी करने की कहने पर मना करना तथा जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध मे थाना गजरौला मु0अ0सं0 452/2026 धारा 69/351(2) बीएनएस व 67 आईटी एक्ट बनाम आकाश चौहान पुत्र पीतम चौहान निवासी मौहल्ला मायापुरी थाना गजरौला जिला अमरोहा के विरुद्ध पंजीकृत किया गया था । दौराने विवेचना साक्ष्यों के आधार पर धारा 67 आई0टी0एक्ट का लोप कर वांछित अभियुक्त आकाश चौहान पुत्र पीतम चौहान निवासी मौ0 मायापूरी थाना गजरौला जिला अमरोहा को गिरफ्तार किया गया है।

## डीएम-एसपी से छात्र छात्राओं ने किया संवाद, सपनों को मिली उड़ान

**अमरोहा (सब का सपना):-** जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक ने एएसएम इंटर कॉलेज, खाता में छात्र-छात्राओं के साथ संवाद कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने करियर, यूपीएससी एवं सिविल सर्विसेज की तैयारी, हिंदी माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, एनडीए, पढ़ाई के दौरान मानसिक दबाव तथा देश सेवा सहित विभिन्न विषयों पर अधिकारियों से सवाल पूछे। कक्षा 9 की छात्रा राबिया ने जिलाधिकारी से सवाल किया कि यूपीएससी की तैयारी करने वाले विद्यार्थी मेहनत तो करते हैं, लेकिन सही दिशा और रणनीति के अभाव में पीछे रह जाते हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को अभी से कौन-कौन सी स्किल और आदतें विकसित करनी चाहिए, जिससे भविष्य में यूपीएससी अथवा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने में मदद मिले। इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों को अभी अपनी स्कूली पढ़ाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसके साथ ही खेल एवं अन्य गतिविधियों में भी प्रतिभाग करना चाहिए। उन्होंने महत्वपूर्ण समाचार पढ़ने की आदत विकसित करने की सलाह दी। कक्षा 12 की छात्रा काजल ने पूछा कि वह देश की सेवा करना चाहती हैं, इसके लिए उन्हें किस क्षेत्र में जाना चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि देश सेवा केवल प्रशासनिक या पुलिस सेवा में

जाकर ही नहीं होती। व्यक्ति जिस भी क्षेत्र में जाए, यदि वह अपने कार्य को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करता है तो वह भी देश की सेवा है। खिलाड़ी, डॉक्टर, व्यवसायी अथवा किसी अन्य क्षेत्र में रहकर भी बेहतर कार्य किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को रोजगार मांगने के साथ-साथ रोजगार देने वाला बनने की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कक्षा 12 की छात्रा सादिया खान ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में आने वाली प्रशासनिक चुनौतियों को लेकर सवाल किया। जवाब में जिलाधिकारी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, उपलब्धता और गुणवत्ता को बेहतर बनाने पर लगातार कार्य किया जा रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं अन्य स्वास्थ्य इकाइयों के माध्यम से लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने, सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने तथा स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को उनके आसपास ही सुलभ, किफायती और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों। कक्षा 12 की छात्रा वैष्णवी ने हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए यूपीएससी की तैयारी की सही रणनीति और आने वाली चुनौतियों को लेकर सवाल किया। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्तमान समय में हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए अध्ययन सामग्री, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, कोचिंग एवं मॉक टेस्ट की पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध हैं। नियमित अभ्यास से उत्तर लेखन की गति और उत्तर प्रस्तुत करने की क्षमता में सुधार किया जा सकता है। पुलिस अधीक्षक ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने स्वयं हिंदी माध्यम से परीक्षा दी है। उन्होंने विद्यार्थियों को हिंदी के साथ अंग्रेजी के समाचार पत्र को भी पढ़ने की आदत डालने की सलाह दी, ताकि विषय से संबंधित व्यापक जानकारी प्राप्त हो सके। कक्षा 11 की छात्रा भूमिका ने एनडीए और सिविल सर्विसेज की तैयारी के दौरान पढ़ाई के साथ होने वाले मानसिक संघर्ष और लंबे समय तक फोकस बनाए रखने के संबंध में सवाल किया। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों को केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए। पढ़ाई के साथ खेल, मनोरंजन, घूमना-फिरना और अन्य रुचिकर गतिविधियों के लिए भी समय निकालना चाहिए। उन्होंने कहा कि लंबी अवधि की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मानसिक रूप से संतुलित रहना आवश्यक है। छात्रा नूर ए मिन्हा ने परिवार की इच्छा और अपनी यूपीएससी में रुचि के बीच करियर का चुनाव करने को लेकर सवाल किया। इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी रुचि और लक्ष्य को समझकर करियर का चुनाव करना चाहिए। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनकी शैक्षिक पृष्ठभूमि मेडिकल क्षेत्र से रही, लेकिन आगे चलकर सिविल सर्विसेज की ओर उनकी रुचि विकसित हुई। मेडिकल कॉलेज में उनके वरिष्ठ के सिविल सर्विसेज में चयन से उन्हें प्रेरणा मिली और उन्होंने इस दिशा में आगे बढ़ने का निर्णय लिया। जयंत कुमार ने प्रतियोगी परीक्षाओं और स्कूली पढ़ाई के बीच अंतर तथा कठिन प्रतिस्पर्धा को लेकर सवाल किया। जिलाधिकारी ने कहा कि स्कूली शिक्षा विद्यार्थियों के लिए मूलभूत आधार और नींव का कार्य करती है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अतिरिक्त तैयारी की आवश्यकता होती है, जिसके लिए विद्यार्थी कोचिंग, टेस्ट सीरीज अथवा ऑनलाइन पाठ्यक्रम की सहायता ले सकते हैं, लेकिन स्कूल की पढ़ाई को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों से नकारात्मक बातों पर ध्यान न देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी मेहनत और तैयारी पर विश्वास रखना चाहिए। मेहनत कभी बेकार नहीं जाती और निरंतर प्रयास का परिणाम अवश्य मिलता है। पुलिस अधीक्षक ने यूपीएससी परीक्षा की प्रक्रिया के संबंध में विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षा में प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार के चरण होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता को केवल फॉर्म भरने वाले अभ्यर्थियों की संख्या से नहीं आंकना चाहिए, बल्कि गंभीरता से तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों के बीच प्रतिस्पर्धा होती है। इसलिए विद्यार्थियों को अपनी तैयारी पर ध्यान केंद्रित करते हुए लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अधिकारियों से सिविल सर्विसेज की तैयारी, यूपीएससी में सफलता, एनडीए, करियर चयन, हिंदी माध्यम से तैयारी सहित विभिन्न विषयों पर संवाद किया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने विद्यार्थियों के सवालों का जवाब देते हुए उनका मार्गदर्शन किया और लक्ष्य के प्रति अनुशासन, निरंतर मेहनत तथा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक शतानंद शर्मा, जिला सूचना अधिकारी मो. दानिश, विद्यालय के प्रधानाचार्य सहित शिक्षक उपस्थित रहे।

4 सब का सपना
हिंदी दैनिक
संभल
अमरोहा
शनिवार 22 अगस्त 2026
www.sabkasapna.com

# छात्राओं से भरा टेंपो पलटा, तीन छात्राएं घायल, मची अफरा-तफरी

हादसे में क्षतिग्रस्त वाहन

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** जनपद के बहजोई-चंदौसी रोड पर गांव लहराबन के पास शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब चंदौसी जा रहा एक टेंपो अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में टेंपो में सवार तीन छात्राएं घायल हो गईं। गनीमत रही कि हादसे में किसी छात्रा को गंभीर चोट नहीं आई। जानकारी के अनुसार बहजोई थाना क्षेत्र निवासी आंशिक, वंशिका और तूबा, उम्र करीब 17 वर्ष, टेंपो से बहजोई से चंदौसी स्थित एसएम कॉलेज जा रही थीं। तीनों छात्राएं रोजमर्रा की तरह टेंपो में सवार होकर कॉलेज के लिए निकली थीं। बताया जा रहा है कि जैसे ही टेंपो गांव लहराबन के पास बहजोई-चंदौसी रोड पर पहुंचा, तभी अचानक टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया। टेंपो के पलटते ही उसमें सवार छात्राओं में चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने मौके पर पहुंचकर टेंपो में फंसी छात्राओं को बाहर निकाला और घटना की सूचना एंबुलेंस को दी। कुछ ही देर में एंबुलेंस मौके पर पहुंची और तीनों घायल छात्राओं को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहजोई ले जाया गया। स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सकों ने तीनों छात्राओं का परीक्षण कर उपचार किया। चिकित्सकों के अनुसार छात्राओं को मामूली चोटें आई थीं और उनकी हालत सामान्य थी। उपचार के बाद तीनों छात्राओं को उनके परिजनों के साथ घर भेज दिया गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद छात्राओं के परिजन भी स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गए। परिजनों ने छात्राओं का हालचाल जाना और उन्हें सुरक्षित घर ले गए। हादसे में किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है। हाईवे पर टेंपो पलटने की घटना के बाद कुछ समय के लिए मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारू कराया। हादसा किस कारण से हुआ, इसकी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

# जिला विकास अधिकारी को भेंट की गई केनरा बैंक आरसेटी की वार्षिक पत्रिका

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी), बहजोई-संभल के निदेशक अनुपम कुमार गुप्ता ने जिला विकास अधिकारी, संभल राम आशीष से शिष्टाचार भेंट कर संस्थान की वार्षिक पत्रिका सप्रेम भेंट की। इस दौरान उन्होंने संस्थान की वर्षभर की प्रमुख उपलब्धियों, स्वरोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रमों और ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों की विस्तार से जानकारी दी। निदेशक अनुपम कुमार गुप्ता ने बताया कि केनरा बैंक आरसेटी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण युवाओं, महिलाओं एवं इच्छुक उद्यमियों को निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। संस्थान द्वारा विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण देकर प्रतिभागियों को स्वरोजगार स्थापित करने और आय के स्थायी साधन विकसित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वार्षिक पत्रिका में संस्थान की वर्षभर की उपलब्धियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, विभिन्न गतिविधियों तथा प्रशिक्षण प्राप्त कर सफलतापूर्वक स्वरोजगार स्थापित करने वाले प्रशिक्षुओं की प्रेरणादायक सफलता की कहानियों को प्रमुखता से शामिल किया गया है। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी राम आशीष ने आरसेटी द्वारा कौशल विकास एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को हुनरमंद बनाकर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में संस्थान का कार्य अत्यंत सराहनीय और उपयोगी है। उन्होंने संस्थान की गतिविधियों को और प्रभावी बनाने के लिए प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।
शिष्टाचार भेंट के दौरान कौशल विकास, ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने, स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करने तथा अधिक से अधिक ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षण से जोड़ने को लेकर भी सार्थक चर्चा हुई। अधिकारियों ने ग्रामीण क्षेत्र में युवाओं और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की पहुंच बढ़ाने पर जोर दिया।
केनरा बैंक आरसेटी द्वारा संचालित प्रशिक्षण एवं कौशल विकास कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं को हुनर देकर उन्हें स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

# चामुंडा मंदिर की भूमि से हटाया गया अतिक्रमण, बुलडोजर से ध्वस्त कराया गया अवैध निर्माण

**हजरतनगर गढ़ी/सम्भल(सब का सपना):-** जनपद में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में शुक्रवार को हजरतनगर गढ़ी थाना क्षेत्र की नगर पंचायत सिरसी में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चामुंडा मंदिर की भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया। जानकारी के अनुसार सरकारी अभिलेखों में चामुंडा मंदिर के नाम दर्ज गाटा संख्या 692 की एक बीघा से अधिक भूमि पर कथित रूप से अवैध कब्जा कर निर्माण कराया गया था। शिकायत एवं अभिलेखीय जांच के बाद प्रशासनिक टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। प्रशासन की टीम ने बुलडोजर की मदद से अवैध निर्माण को ध्वस्त करा दिया। कार्रवाई के बाद मंदिर की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करा लिया गया। मौके पर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पुलिस टीम भी मौजूद रही और कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई।
प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध कब्जा करने वालों में हड़कंप मचा रहा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सरकारी एवं सार्वजनिक भूमि पर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

# थाना रजबपुर में महिला से छेड़छाड़ के मामले में केस दर्ज,पुलिस ने शुरू की जांच-पड़ताल

**रजबपुर/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के थाना रजबपुर क्षेत्र में महिला से छेड़छाड़ के मामले में थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। बताया जा रहा है कि यह घटना अतरासी पुलिस चौकी से करीब 500 मीटर की दूरी पर हुई थी। बता दें कि इस मामले में पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि घटना 19 अगस्त की शाम करीब 5 बजे की है। गांव निवासी उसका तहेरा देवर जबरन दुकान में घुस आया और छेड़छाड़ करने लगा।पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने उससे "आई लव यू" कहा और अपशब्दों का प्रयोग किया। विरोध करने पर आरोपी मारपीट पर उतारू हो गया।पीड़िता के अनुसार, चिल्लाने की आवाज सुनकर उसके पति उसे बचाने दौड़े, जिसके बाद आरोपी मारपीट करते हुए और जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया।पीड़िता ने यह भी दावा किया है कि आरोपी पर पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं और उसने पूर्व में भी ऐसी हरकतें करने का प्रयास किया था, लेकिन परिवार की इज्जत के चलते पीड़िता ने पहले पुलिस को सूचना नहीं दी थी।पीड़िता ने अतरासी चौकी पर लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने 21 अगस्त, शुक्रवार को प्राप्त तहरीर के आधार पर नामजद आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।रजबपुर थाना प्रभारी विकास सहरावत ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

# अवैध मिट्टी खनन पर बड़ी कार्रवाई, जेसीबी समेत पांच ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ीं

**सम्भल(सब का सपना):-** जनपद में अवैध खनन एवं पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन के खिलाफ खनन विभाग का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में शुक्रवार तड़के करीब दो बजे तहसील सम्भल क्षेत्र के ग्राम मोहम्मदपुर मालिनी एवं मंगनपुर में मिट्टी खनन की सूचना पर खनन विभाग की टीम ने छापेमारी कर कार्रवाई की। मौके पर जांच के दौरान खनन निरीक्षक शिवम् कुमार ने पाया कि क्षेत्र में मिट्टी का खनन किया जा रहा था। खनन कार्य में पर्यावरणीय स्वीकृति की शर्तों एवं निर्धारित पर्यावरणीय मानकों का पालन नहीं किया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके से एक जेसीबी मशीन और पांच ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ लीं। सभी वाहनों को आवश्यक कार्रवाई के लिए थाना हजरतनगर गढ़ी लाया गया। विभाग द्वारा वाहन स्वामियों के संबंध में जांच की जा रही है। उपलब्ध अभिलेखों एवं जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर खनिज एवं पर्यावरण संबंधी नियमों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। खनन निरीक्षक शिवम् कुमार ने स्पष्ट किया कि जनपद में अवैध खनन अथवा पर्यावरणीय स्वीकृति की शर्तों का उल्लंघन कर खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।
खनन विभाग ने जनपदवासियों से अपील की है कि कहीं भी अवैध खनन, अवैध परिवहन अथवा खनन संबंधी नियमों का उल्लंघन दिखाई देने पर इसकी सूचना संबंधित प्रशासनिक अथवा विभागीय अधिकारियों को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

# हिडन कैमरे से अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने वाले गैंग का खुलासा

**प्रेमजाल में फंसाकर कमरे में बुलाते, वीडियो बनाकर मांगते थे लाखों रुपये,शादी का झांसा देकर भी करते थे वसूली**

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** पुलिस ने हिडन कैमरे से अश्लील वीडियो बनाकर लोगों को ब्लैकमेल करने और शादी के नाम पर ठगी कर रकम वसूलने वाले कथित गैंग का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गैंग के सदस्य भोले-भाले लोगों को पहले प्रेमजाल में फंसाकर किराये के कमरे पर बुलाते थे। कमरे में पहले से हिडन कैमरे लगाए जाते थे और अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर बाद में पीड़ितों को वीडियो वायरल करने तथा बलात्कार के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर मोटी रकम मांगी जाती थी। पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार बिश्नोई ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि थाना रजपुरा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रमोद उर्फ पालू पुत्र महेन्द्र, वीरेन्द्र उर्फ छोटे पुत्र बालमुकुन्द तथा लक्ष्मी पुत्री महेन्द्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक गुरुवार को ग्राम देवपुरा निवासी होराम सिंह ने थाना रजपुरा में तहरीर देकर आरोप लगाया कि प्रमोद उर्फ पालू, वेदप्रकाश, वीरेन्द्र उर्फ छोटे, राजकुमार, लक्ष्मी समेत दो अज्ञात लोगों ने उसे कमरे में बंद कर अश्लील वीडियो बनाया और ब्लैकमेल करते हुए पांच लाख रुपये की मांग की। रुपये न देने पर वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने तथा बलात्कार का झूठा मुकदमा दर्ज कराने की धमकी देने का आरोप लगाया गया। तहरीर के आधार पर थाना रजपुरा में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे लोग पहले लक्ष्मी से फोन पर बात कराकर लोगों को कथित प्रेमजाल में फंसाते थे। इसके बाद उन्हें मिलने के लिए किराये के कमरे पर बुलाया जाता था। पुलिस के अनुसार कमरे में पहले से हिडन कैमरे लगाए जाते थे और वहां की गतिविधियों की वीडियो रिकॉर्डिंग कर ली जाती थी। इसके बाद कथित रूप से वीडियो वायरल करने और बलात्कार के मुकदमे में फंसाने का भय दिखाकर लोगों से रकम वसूली जाती थी। पुलिस का कहना है कि लोकलाज के कारण कई लोग शिकायत नहीं करते थे और आरोपियों को रकम दे देते थे। पूछताछ में आरोपियों ने कथित तौर पर बताया कि जो लोग प्रेमजाल में नहीं फंसते थे, उन्हें शादी कराने का झांसा दिया जाता था। पुलिस के अनुसार पैसे लेकर लक्ष्मी संबंधित व्यक्ति से शादी कर उसके घर चली जाती थी।
उसी रात परिवार के सो जाने के बाद वह कथित रूप से चुपचाप घर से निकलकर वापस आ जाती थी। इसके बाद संबंधित व्यक्ति को बलात्कार के मुकदमे में फंसाने का डर दिखाकर रुपये वसूले जाते थे। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर गैंग से जुड़े अन्य लोगों और पूर्व में की गई घटनाओं के संबंध में जानकारी जुटा रही है। मामले में नामजद अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

# भूबरा में राशन घटतौली पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, डीलर पर कार्रवाई की मांग

***अंत्योदय कार्ड पर भी 5 किलो कम, दबंगई का आरोप***

**रहरा/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के विकासखंड गंगेश्वरी के ग्राम भूबरा में सरकारी राशन की दुकान पर घटतौली और मनमानी को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। दर्जनों ग्रामीणों ने एकत्र होकर राशन डीलर के खिलाफ प्रदर्शन कर उच्चाधिकारियों से जांच और कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकार द्वारा प्रति यूनिट 5 किलो गेहूं-चावल दिए जाने का प्रावधान है, लेकिन डीलर द्वारा 4 किलो प्रति यूनिट राशन दिया जा रहा है। यानी हर यूनिट पर 1 किलो राशन की कटौती की जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि अंत्योदय कार्डधारकों को 35 किलो राशन की जगह केवल 30 किलो राशन दिया जा रहा है। पूरा राशन मांगने पर कार्डधारकों को दबंगई और धमकी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि जिसके नाम से राशन की दुकान आवंटित है वह महिला गांव में नहीं रहती। वह बाहर रहती है और दुकान का संचालन उसका भतीजा करता है। शिकायत करने पर वह दबंगई दिखाता है। ग्रामीणों ने एक और गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राशन कार्ड बनवाने के नाम पर एक व्यक्ति से 2000 रुपये भी लिए गए। प्रदर्शनकारी ग्रामीणों ने आपूर्ति विभाग और जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी डीलर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे।इस दौरान प्रदर्शन करने वालो में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

# भाकियू बीआरएसएस की बैठक आयोजित, किसानों के मुद्दों पर बनी रणनीति

**संभल(सब का सपना):-** भारतीय किसान यूनियन (बीआरएसएस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ द्वारा रविवार को ग्राम - भारतल में जिला महासचिव अनमोल कुमार के नेतृत्व में जनजागरण अभियान के तहत बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता इस्माइल खां एवं संचालन युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार ने किया । बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष सम्भल कामेन्द्र चौधरी ने कहा कि किसानों की समस्याएं केवल खेती तक सीमित नहीं हैं, बल्कि बिजली, गन्ना भुगतान, सरकारी विभागों से जुड़े कार्य, आवारा पशु और अन्य जनहित के मुद्दों से भी किसान परेशान हैं। संगठन गांव-गांव पहुंचकर किसानों की समस्याओं को चिन्हित करेगा और संबंधित अधिकारियों के समक्ष मजबूती से उठाकर समाधान कराने का प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि गांव स्तर पर संगठन मजबूत होने से किसानों की सामूहिक आवाज को मजबूती मिलेगी ! संगठन द्वारा लगातार जनसंपर्क अभियान चलाकर किसानों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कार्यकताओं से गांव-गांव पहुंचकर अधिक से अधिक किसानों को संगठन से जोड़ने का आह्वान किया। बैठक में गन्ना भुगतान, बिजली व्यवस्था, स्मार्ट मीटर, आवारा पशुओं से फसलों की सुरक्षा, खाद-बीज की उपलब्धता, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र और वारिसान दर्ज कराने सहित कई समस्याओं पर चर्चा हुई। ग्रामीणों ने रहस्यमयी बुखार की रोकथाम के लिए गांव में दवा का छिड़काव कराने, गंगा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर गांवों के नाम के बोर्ड लगवाने तथा संभल रेल विस्तार कार्य से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग भी उठाई। पदाधिकारियों ने कहा कि जनहित से जुड़े सभी मुद्दों को संबंधित विभागों और प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष रखा जाएगा तथा आवश्यकता पड़ने पर किसानों के हित में आंदोलन की रणनीति भी तैयार की जाएगी। बैठक के दौरान संगठन विस्तार करते हुए नदीम अली को जिला सचिव (अ. मो.) सम्भल, आजम मलिक को तहसील महासचिव संभल, वसीम मलिक को तहसील महामंत्री, फैजान मालिक को तहसील प्रभारी, तारीफ अली को तहसील मंत्री, नुशरत मलिक को तहसील सचिव, अरशद अली ब्लॉक सचिव नियुक्त किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सम्भल कामेन्द्र चौधरी, जिला संगठन मंत्री चौ. ऋषिपाल सिंह, जिला महासचिव अनमोल कुमार, जिला प्रचार मंत्री सन्तवीर सिंह, जिला महासचिव (अ. मो.) इस्माइल खां, युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार, जिला मंत्री (अ.मो.) सुफियान पाशा, तहसील संरक्षक सेवक सैनी, तहसील संगठन मंत्री श्रीपाल यादव, तहसील अध्यक्ष (अ.मो.) मेंहदी हसन, ब्लॉक महामंत्री मनीराम गूर्जर, युवा ब्लॉक उपाध्यक्ष मो. हसन, वरिष्ठ कार्यकर्ता नरेन्द्र चौधरी, मो. दाऊद, अशरफ अली, अजहर हसन, अनवार अली, अमानत अली, जाकिर अली, ताहिर अली, भूरे अली, अफसर अली, अकबर अली, अरुण कुमार, आफताब, लवकुश कुमार एवं महिला मोर्चा से ननिहा देवी जिला सचिव, निशा देवी ब्लॉक सचिव, कश्मीरी देवी, दिलवरी बेगम, भूरी देवी आदि सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# पंचायत सहायकों पर गिरी गाज, 24 पंचायत सहायकों को कारण बताओ नोटिस

**बहजोई/सम्भल(सब का सपना):-** ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायकों की कार्यप्रणाली में लापरवाही को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय में जनपद में कार्यरत पंचायत सहायकों के कार्यों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान कुछ पंचायत सहायकों के निर्धारित ग्राम पंचायत में निवास न करने, नियमित उपस्थिति दर्ज न कराने तथा पंचायत सचिवालय में अपने दायित्वों का समुचित निर्वहन नहीं करने की बात सामने आई। मामले को गंभीरता से लेते हुए अनुबंध की शर्तों के अनुसार कार्य नहीं करने वाले 24 पंचायत सहायकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। साथ ही संबंधित पंचायत सहायकों को सक्षम स्तर से हटाने की कार्रवाई भी की जा रही है। कार्रवाई की जद में विकासखंड बनियाखेड़ा के सात, जुनावई के सात और बहजोई के 10 पंचायत सहायक शामिल हैं। इनमें बनियाखेड़ा ब्लॉक के अनिल कुमार (मौलागढ़), माजिद चौधरी (मौजगंज), धीरेन्द्र कुमार (फरीदपुर खास), मंजू (खेड़ाखास), आकांक्षा (बुद्धनगर खण्डुआ), सुरभि (रुस्तमगढ़ उगिया) और विनय (भगतपुर मिर्जा) शामिल हैं। इसी प्रकार जुनावई विकासखंड के भावना (अहरौला नवाजी), सुमन कुमारी (दवथरा हिमंचल), बाला (गनूपुरा), ज्योति शर्मा (जलालपुर), उषा यादव (लतीफधीर), पिंकी कुमारी (मईहुसैनपुर खास) और प्रियंका यादव (चिरवारी) को भी नोटिस जारी किया गया है। वहीं बहजोई विकासखंड के सीताराम (बबनेटा), अब्दुल कलाम (विसारू), विकेश (सादातवाड़ी), नीतू (पगौना), हिमांशू शर्मा (नाधौस), अखिलेश (घासीपुर), पुष्पेन्द्र (शेरूआ), संतोष कुमार (अर्जुनपुर जूना), अंजली राघव (मुल्हैटा) और पूजा (चौपाशोभापुर) कार्रवाई की जद में आए हैं। मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट ने स्पष्ट किया कि पंचायत सहायकों का दायित्व ग्राम पंचायत स्तर पर ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराने तथा पंचायत सचिवालय के कार्यों को सुचारू रूप से संचालित करने में सहयोग करना है। निर्धारित ग्राम पंचायत में निवास न करना, नियमित उपस्थिति दर्ज नहीं करना अथवा सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन न करना गंभीर लापरवाही है। उन्होंने संबंधित खंड विकास अधिकारियों को पंचायत सहायकों की नियमित उपस्थिति और उनके कार्यों का निरंतर अनुश्रवण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही चेतावनी दी गई है कि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही सामने आने पर संबंधित पंचायत सहायकों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

# यूजीसी की नई गाइडलाइंस के विरोध में राजपूत संगठनों ने उठाई आवाज

**रोलबैक की मांग को लेकर महिलाओं ने किया प्रदर्शन, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन**

**धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):-** विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से जारी Promotion of Equity in Higher Education Institutions Regulations, 2026 को लेकर विरोध के स्वर तेज होने लगे हैं। शुक्रवार को श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना एवं राजपूत लेडीज क्लब के पदाधिकारियों और सदस्यों ने धामपुर में प्रदर्शन कर यूजीसी की नई गाइडलाइंस के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर नई गाइडलाइंस को तत्काल वापस लेने (रोलबैक) की मांग की गई। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने यूजीसी के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं। संगठनों का कहना है कि नई व्यवस्था को लागू करने से पहले छात्रों, शिक्षकों, शोधार्थियों और अन्य संबंधित हितधारकों से व्यापक विचार-विमर्श किया जाना चाहिए था। ज्ञापन में संगठनों ने नई नीति के कुछ प्रावधानों को छात्र एवं शिक्षक हितों के प्रतिकूल बताते हुए कहा कि इससे छात्रों की स्वायत्तता, अधिकारों तथा उच्च शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका है। साथ ही शिक्षण संस्थानों पर बढ़ने वाले संभावित वित्तीय एवं प्रशासनिक बोझ को लेकर भी चिंता जताई गई। संगठनों ने समानता और समावेशिता के संबंध में भी अपनी आशंकाएं व्यक्त कीं। उनका कहना है कि नई व्यवस्था का असर वंचित एवं पिछड़े वर्गों के विद्यार्थियों के शैक्षणिक अवसरों पर पड़ सकता है। हालांकि, ये आपत्तियां और आशंकाएं संगठनों की ओर से व्यक्त की गई हैं। ज्ञापन में नीति निर्माण की प्रक्रिया में शिक्षकों, छात्रों, शिक्षाविदों और अन्य संबंधित पक्षों के साथ पर्याप्त संवाद नहीं होने का मुद्दा भी उठाया गया। संगठनों ने मांग की कि उच्च शिक्षा से जुड़े किसी भी महत्वपूर्ण नीतिगत फैसले से पहले सभी हितधारकों के साथ पारदर्शी एवं व्यापक विचार-विमर्श किया जाए।

राजपूत संगठनों ने यूजीसी की विवादित गाइडलाइंस को तत्काल वापस लेने, छात्रों एवं शिक्षकों के लोकतांत्रिक अधिकारों तथा अकादमिक स्वतंत्रता की रक्षा करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

ज्ञापन 21 अगस्त को धामपुर में उप जिलाधिकारी को सौंपा गया। संगठनों के अनुसार, ज्ञापन की एक प्रति केंद्रीय शिक्षा मंत्री एवं शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को भी भेजी गई है।

# छह माह की गर्भवती बेटी की मौत पर हत्या का आरोप, एसपी से इंसाफ की गुहार

**बिजनौर (सब का सपना):-** जनपद के थाना किरतपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी परिवार ने छह माह की गर्भवती बेटी की मौत के मामले में गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मृतका की मां ने बेटी की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। परिवार ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कर न्याय की गुहार लगाई है। गांव भरैकी निवासी दिनेश सिंह के अनुसार, करीब छह माह पूर्व उनकी बेटी सोनी की शादी किरतपुर थाना क्षेत्र के गांव चंदुपुरा निवासी एक युवक के साथ रीति-रिवाज से हुई थी। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद अतुल नामक युवक ने सोनी को बहला-फुसलाकर अपने प्रेम जाल में फंसा लिया और उसे अपने साथ ले गया। पीड़ित पिता का आरोप है कि इसके बाद सोनी को अतुल और उसके परिजनों द्वारा प्रताड़ित किया जाने लगा। परिजनों का आरोप है कि सोनी छह माह की गर्भवती थी। आरोप है कि अतुल और उसके परिवार के लोगों ने गर्भपात कराने के उद्देश्य से उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। परिजनों के मुताबिक, इसी दौरान उसके साथ मारपीट और प्रताड़ना की गई, जिससे गर्भ में पल रहे शिशु की मौत हो गई। इसके बाद आरोप है कि सोनी की भी हत्या कर दी गई। बेटी की मौत की सूचना मिलने पर परिजन थाना किरतपुर पहुंचे और पुलिस को मामले की जानकारी देकर कार्रवाई की मांग की। पीड़ित परिवार का आरोप है कि थाने स्तर पर उनकी शिकायत पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद 13 अगस्त को परिवार पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा और मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मृतका के माता-पिता का कहना है कि बेटी की मौत के बाद से वे न्याय के लिए अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं, जबकि नामजद आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। परिवार ने एसपी बिजनौर और मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत देकर मामले की निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तथा उन्हें न्याय दिलाने की मांग की है।

# सिटी पीजी कॉलेज को NIOS से मिली सेकेंडरी व सीनियर सेकेंडरी शिक्षा की स्वीकृति

**नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-** सिटी पीजी कॉलेज नगीना को राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (NIOS), दिल्ली के माध्यम से सेकेंडरी एवं सीनियर सेकेंडरी स्तर की शिक्षा संचालित करने की मान्यता/स्वीकृति प्राप्त हुई है। कॉलेज प्रबंधन ने इसे क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के नए अवसर खोलने वाली महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। कॉलेज प्रबंधन के अनुसार, NIOS दिल्ली तथा मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद के बीच हुए समझौता ज्ञापन (MoU) के अनुपालन में संबंधित NIOS क्षेत्रीय कार्यालय, दिल्ली के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सिटी पीजी कॉलेज में विद्यार्थियों को सेकेंडरी एवं सीनियर सेकेंडरी स्तर की शिक्षा का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। कॉलेज के संस्थापक फहीमुद्दीन अंसारी एवं नाजिर अनवर ने बताया कि NIOS के माध्यम से विद्यार्थी सेकेंडरी (कक्षा 10) तथा सीनियर सेकेंडरी (कक्षा 12) स्तर की शिक्षा के लिए प्रवेश ले सकेंगे। सीनियर सेकेंडरी स्तर पर विद्यार्थियों को आर्ट्स, विज्ञान एवं कॉमर्स स्ट्रीम का विकल्प भी उपलब्ध रहेगा। उन्होंने बताया कि इस व्यवस्था से उन विद्यार्थियों को विशेष लाभ मिलेगा, जो किसी कारणवश नियमित विद्यालयी शिक्षा पूरी नहीं कर सके हैं अथवा अपनी अधूरी शिक्षा को दोबारा जारी रखना चाहते हैं। इससे नगीना और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को सेकेंडरी एवं सीनियर सेकेंडरी शिक्षा के लिए एक बेहतर विकल्प उपलब्ध होगा। संस्थापक फहीमुद्दीन अंसारी एवं नाजिर अनवर ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य क्षेत्र के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसरों से जोड़ना है। NIOS से मिली स्वीकृति के बाद विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया, पाठ्यक्रम, परीक्षा तथा अन्य शैक्षणिक गतिविधियों से संबंधित आवश्यक मार्गदर्शन कॉलेज स्तर पर उपलब्ध कराया जाएगा। कॉलेज प्रबंधन ने उम्मीद जताई कि NIOS के माध्यम से संचालित यह शैक्षणिक व्यवस्था नगीना क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगी।

# महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती को लेकर चलाया गया जनसंपर्क अभियान

**चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):-** महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती को भव्य एवं धूमधाम से मनाने को लेकर दक्ष प्रजापति समिति की ओर से नगर चांदपुर सहित आसपास के गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। समिति के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर समाज के लोगों से संपर्क कर जयंती समारोह में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील कर रहे हैं। समिति पदाधिकारियों ने कहा कि महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समाज के लिए गौरव और सम्मान का पर्व है। इसे सभी लोग आपसी एकता, भाईचारे और उत्साह के साथ मनाएं। उन्होंने नगरवासियों एवं ग्रामीणों से अपील की कि जयंती समारोह में बढ़-चढ़कर भाग लें और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करें। समिति की ओर से कहा गया कि जयंती के अवसर पर भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें समाज के लोगों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए लगातार जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। कार्यकताओं ने लोगों से जयंती को पूरी श्रद्धा, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाने का आह्वान किया।

# नशामुक्त जीवन का संकल्प लेकर विद्यार्थियों ने दिया नशामुक्त भारत का संदेश

**नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-** दस करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के अंतर्गत प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेवाकेंद्र नगीना की ओर से नगर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। हिंदू इंटर कॉलेज, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज तथा ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रमों में विद्यार्थियों, प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों को नशामुक्त जीवन का सामूहिक संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी राधा बहन ने प्रधानाचार्य, विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थियों को हाथ उठाकर नशामुक्त जीवन अपनाने की प्रतिज्ञा कराई। इस दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक अभियान में सहभागिता करते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। ब्रह्माकुमारी राधा बहन ने कहा कि नशामुक्त समाज ही स्वस्थ, सुखी और सशक्त समाज का आधार है। नशा व्यक्ति के तन, मन, धन और संबंधों को प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है, इसलिए युवाओं का नशामुक्त रहना राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए बेहद आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करते हुए नशामुक्त जीवन अपनाने तथा नशामुक्त भारत के संकल्प से जुड़ने का आह्वान किया। साथ ही विद्यार्थियों को स्वस्थ, सकारात्मक एवं संस्कारयुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने नशामुक्त युवा, नशामुक्त भारत का संदेश देते हुए समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी राधा बहन के साथ बीके नीलम, अलका थापन सहित संबंधित विद्यालयों का स्टाफ मौजूद रहा।

# जलभराव बना जानलेवा, बिजली का करंट लगने से दो बैलों की मौत

**बिजनौर (सब का सपना):-** जलभराव के बीच बिजली का करंट उतरने से दो बैलों की मौत हो गई। हादसे में किसान को करीब 60 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराने के साथ पीड़ित किसान को उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। बताया गया कि थाना स्योहारा क्षेत्र के गांव झिल्ला निवासी शोभित पुत्र होशराम शुक्रवार को बैल-बुग्गी लेकर चकमेंहदूद सानी से होते हुए अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान फाटक के पास सड़क पर काफी पानी भरा हुआ था। पानी से होकर बैल-बुग्गी निकालते समय अचानक उसमें बिजली का करंट प्रवाहित हो गया। करंट की चपेट में आने से दोनों बैलों की मौके पर ही मौत हो गई। किसान के अनुसार मृत बैलों की कीमत करीब 60 हजार रुपये थी। हादसे के बाद आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। ग्राम प्रधान मोहम्मद कासिम ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही विद्युत विभाग को सूचना देकर बिजली आपूर्ति बंद कराई गई। संबंधित अधिकारियों को भी घटना से अवगत कराया गया है।

स्थानीय निवासी साजिद ने कहा कि लंबे समय से जलभराव के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। युवा समाजसेवी अजहर अज्जू ने बताया कि जलभराव से दैनिक कार्य प्रभावित होने के साथ स्कूली बच्चों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल निकासी की स्थायी व्यवस्था कराने तथा पीड़ित किसान को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है।

# चीनी के दाम बढ़ने से त्योहारों की मिठास होगी फीकी

**चीनी के थोक रेट में 15 दिन में हुई 1000 रुपए कुंटल की वृद्धि**

**नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-** चीनी के दामों में लगातार हो रही बेतहाशा वृद्धि के कारण रक्षा बंधन व दीवाली के त्योहारों की मिठास फीकी होना तय है।पिछले 15 दिनों में चीनी के थोक के भाव में बेतहाशा वृद्धि हो गई है।जबकि फुटकर रेट पिछले ढाई महीने में 17 रुपए किलो बढ़ गए हैं।चीनी के दामों में लगी आग ने महिलाओं की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है।मिठाई के रेट भी 340 से 450 रुपए किलो तक पहुंच गए हैं। बाजार में फुटकर दुकानों पर चीनी 62 रुपए किलो बिक रही है। जबकि गली मोहल्लों की दुकानों पर 65 से 68 रुपए किलो तक चीनी बिक रही है।फुटकर बाजार में चीनी का रेट 4 जून को 45 रुपए किलो,5 जुलाई को 48 रुपए किलो व 28 जुलाई को 50 रुपए किलो था।अब अचानक 62 से 65 रुपए किलो तक हो गया है।पिछले ढाई महीने में चीनी के फुटकर दाम 17 रुपए किलो तक बढ़ गए हैं। नगीना में चीनी के सबसे बड़े थोक विक्रेता(मंडी मौलगंज) अमित जैन उर्फ विक्की जैन ने बताया कि आज चीनी का बाजार में थोक का रेट 5930 से 5940 रुपए कुंटल है। पिछले हफ्ते 5300 रुपए कुंटल था।उन्होंने बताया कि पिछले 15 दिनों में चीनी के थोक रेट में 1000 रुपए कुंटल तक की वृद्धि हो गई है। नगीना में चीनी की अधिकांश सप्लाई द्वारिकेश शुगर इंडस्ट्री लिमिटेड बुन्दकी की है।बुन्दकी शुगर मिल के यूनिट हेड सलिल आर्य से उनकी अस्वस्थता के कारण बात नहीं हो पाई।

द्वारिकेश शुगर मिल बुंदकी अपने परिसर के स्टोर से भी चीनी के 5 किलो के पोलीबैग की बिक्री करता है।लेकिन फिलहाल में उपलब्ध नहीं है।मिल में 5 किलो चीनी का पैक 280 रुपए में किसानों व आम जनता के लिए उपलब्ध होता है।

# चौपाल कार्यक्रम में डीडीओ ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

**बिजनौर (सब का सपना):-** जनपद बिजनौर के मोहम्मदपुर देवमल में चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जिला विकास अधिकारी रचना गुप्ता ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हुए उनके शीघ्र निराकरण किये जाने का आश्वासन दिया। इस मौके पर नसरीन अमित व सुधा ने राशन नहीं मिलने की शिकायत की, आसमीन पत्नी फुरकान राशन कार्ड में यूनिट नहीं बढ़ने तथा मनरेगा में काम नहीं मिलने की समस्या से अवगत कराया वही फिशा खातून ने बीएलओ का भुगतान नही होने की शिकायत की। ग्रामीणों ने सफाईकर्मियों द्वारा सफाई नही करने के आरोप लगाये तथा सालिग अदनान के घर के सामने हेण्डपम्प रिबोर कराने की मांग भी की गई। इस कार्यक्रम के बाद जिला विकास अधिकारी रचना गुप्ता ने प्राइमरी स्कूल का भी निरीक्षण किया।

# दहेज में 10 लाख रुपये की मांग का आरोप, विवाहिता ने पति समेत ससुरालियों के खिलाफ दी तहरीर

**नगीना/बिजनौर (सब का सपना):-** दहेज की मांग को लेकर विवाहिता के साथ मारपीट कर उसे घर से निकालने और उसके डेढ़ वर्षीय मासूम बेटे को अपने पास रखने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पति समेत सास, ससुर और देवर पर 10 लाख रुपये दहेज की मांग को लेकर शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए थाना प्रभारी को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। मुरादाबाद के गोपाल भवन निवासी आंचल वर्मा पुत्री स्वर्गीय संजय वर्मा ने 20 अगस्त की शाम थाना प्रभारी विकास कुमार को दी तहरीर में बताया कि करीब दो वर्ष पूर्व उसकी शादी मौहल्ला सरायमीर, श्री मुक्तेश्वर नाथ मंदिर के निकट निवासी अमित वर्मा पुत्र बृजेश वर्मा के साथ हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार हुई थी। पीड़िता के अनुसार उसकी विधवा मां ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार शादी में उपहार एवं दान-दहेज दिया था। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति अमित वर्मा, ससुर बृजेश वर्मा, सास पूनम वर्मा और देवर अनमोल वर्मा दहेज से संतुष्ट नहीं थे। आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग लगातार दहेज में 10 लाख रुपये लाने की मांग करते हुए उसके साथ मारपीट और मानसिक उत्पीड़न करते रहे। पीड़िता का कहना है कि उसने अपनी मां की आर्थिक स्थिति कमजोर होने का हवाला देते हुए 10 लाख रुपये देने में असमर्थता जताई, लेकिन इसके बावजूद उसके साथ मारपीट की जाती रही और उसे धमकी दी गई कि जब तक वह 10 लाख रुपये लेकर नहीं आएगी, तब तक उसे घर में नहीं रखा जाएगा। पीड़िता ने तहरीर में आरोप लगाया कि 19 अगस्त को घरेलू बातों और दहेज की मांग को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके साथ मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया। आरोप है कि ससुर बृजेश वर्मा ने उसे जान से मारने की धमकी दी, जबकि देवर अनमोल वर्मा ने उसके साथ मारपीट की। पीड़िता का यह भी आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके डेढ़ वर्षीय मासूम बेटे को उससे अलग कर लिया तथा उसकी सास ने उसके सोने के आभूषण भी अपने पास रख लिए। आंचल वर्मा के अनुसार, इससे पूर्व भी 26 फरवरी को पति, सास, ससुर और देवर द्वारा मारपीट किए जाने की शिकायत उसने नगीना थाने में की थी। पीड़िता का आरोप है कि 19 अगस्त की घटना के बाद भी उसने पुलिस को तहरीर दी, लेकिन तत्काल कोई कार्रवाई नहीं हुई। बाद में पुलिस से अनुरोध करने पर उसे उसके कपड़ों से भरा बैग दिलाया गया। पीड़िता ने आशंका जताई कि भविष्य में ससुराल पक्ष के लोग उस पर नकदी अथवा सोने-चांदी के सामान ले जाने का आरोप लगाकर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने का प्रयास कर सकते हैं।

पीड़िता आंचल वर्मा ने थाना प्रभारी से पति अमित वर्मा, ससुर बृजेश वर्मा, सास पूनम वर्मा और देवर अनमोल वर्मा के खिलाफ मामले की जांच कर उचित एवं सख्त कार्रवाई करने तथा उसे न्याय दिलाने की गुहार लगाई है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

# सड़क हादसे में घायल युवक की मौत, नहटौर मार्ग पर अज्ञात वाहन ने मारी थी टक्कर

**बिजनौर (सब का सपना):-** जनपद बिजनौर के नहटौर-कोतवाली देहात मार्ग पर हुए एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए 26 वर्षीय युवक कुलदीप कुमार की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। यह घटना ग्राम फुलमंदा (फुलसंदा) के पास हुई थी। जानकारी के अनुसार, ग्राम करीमपुर निवासी सोनीराम सिंह के पुत्र कुलदीप कुमार हरिद्वार में नौकरी करते थे। वह अपनी मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। नहटौर-कोतवाली देहात मार्ग पर ग्राम फुलमंदा के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कुलदीप कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद परिजनों और स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल नहटौर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। कुलदीप की हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें पहले जिला अस्पताल रेफर किया। बाद में बेहतर इलाज के लिए उन्हें हायर सेंटर जौली ग्रांट अस्पताल भेजा गया, जहाँ उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर परिजनों ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। हल्का दरोगा संयम यादव ने बताया कि अज्ञात वाहन और उसके चालक का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

## रोजगार तलाशने के बजाय युवा शुरू करें अपना स्टार्टअप:- नदीम

**शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):-** श्यामलाल सरस्वती महाविद्यालय में विश्व उद्यमिता दिवस पर कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं को रोजगार तलाशने के बजाय स्वयं का स्टार्टअप शुरू करने के लिए प्रेरित किया गया। मुख्य अतिथि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आईपी प्रोफेशनल नदीम ने कहा कि उद्यमिता नए विचारों, नवाचार और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने का प्रभावी माध्यम है। इंस्टीट्यूशनल इनोवेशनल सेल के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में छात्रों को बौद्धिक संपदा अधिकारों की जानकारी दी गई। साथ ही युवाओं से स्वयं रोजगार पाने के साथ अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर विषय आधारित क्विज प्रतियोगिता भी हुई, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का संयोजन डीन एकेडमिक्स डॉ. अमित पाराशर एवं रुचि राघव ने किया। प्राचार्य डॉ. ललित गुप्ता, नैक कोऑर्डिनेटर रेशू भारद्वाज सहित महाविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र मौजूद रहे। संचालन लशिका, इशू पलावत एवं श्रेया ने संयुक्त रूप से किया।

## बिजली तार चोरी गिरोह का पदार्फाश, तीन शातिर गिरफ्तार

**बुलंदशहर (सब का सपना):-** थाना अरनिया पुलिस और स्वाट टीम देहात ने विद्युत तार चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया विद्युत तार, एक बोरा तांबे का तार, दो अवैध तमंचे मय कारतूस और वारदात में प्रयुक्त पिकअप गाड़ी बरामद की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलंदशहर दिनेश कुमार सिंह के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 21 अगस्त को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कैंची पुल के पास से इकराम, चुन्नु उर्फ तारिक और आकिल को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक आरोपियों के कब्जे से 07 बंडल विद्युत तार, एक बोरा तांबे का तार, दो अवैध तमंचे, दो जिंदा कारतूस और पिकअप वाहन संख्या UP-15JT-1729 बरामद किया गया। मामले में थाना अरनिया पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी कई थाना क्षेत्रों में विद्युत तार चोरी की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। पुलिस के अनुसार गिरोह ने 15 जुलाई को पहासू क्षेत्र के धर्मपुर-गालिबपुर मार्ग, 20 जुलाई को रहमापुर गांव और 21 जुलाई को अरनिया क्षेत्र के उदयभान नगलिया गांव में बिजली के खंभों से तार चोरी किए थे। इसके अलावा 2 अगस्त को अरनिया क्षेत्र में एमएस गार्डन के पास निमार्णाधीन फार्महाउस से जनरेटर का तांबे का तार भी चोरी किया गया था। इन घटनाओं के संबंध में संबंधित थानों में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी इकराम के खिलाफ हत्या, लूट, चोरी, गैंगस्टर एक्ट और शस्त्र अधिनियम समेत कई मुकदमे दर्ज हैं। वहीं चुन्नु उर्फ तारिक के खिलाफ बुलंदशहर, मेरठ और मुरादाबाद के विभिन्न थानों में चोरी, लूट और शस्त्र अधिनियम के मामले दर्ज बताए गए हैं। आरोपी आकिल के खिलाफ भी विद्युत तार चोरी समेत अन्य संबंधित मुकदमे दर्ज हैं। कार्रवाई में थाना प्रभारी अरनिया शशांक द्विवेदी, स्वाट टीम देहात प्रभारी लोकेश अग्निहोत्री समेत पुलिस और स्वाट टीम के जवान शामिल रहे।

## त्योहार से पहले महंगाई का तड़का, चीनी के दाम आसमान पर

**बुलंदशहर (सब का सपना):-** रक्षाबंधन और जन्माष्टमी से पहले बाजार में बढ़ती महंगाई ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। पहासू में दुकानदारों के अनुसार चीनी के दाम महज आठ दिनों में करीब 42 रुपये से बढ़कर 65 रुपये किलो तक पहुंच गए हैं। इसके अलावा रिफाइंड और सरसों तेल के दाम भी करीब 200 रुपये किलो बताए जा रहे हैं। मसालों की कीमतों में भी तेजी से लोगों का घरेलू बजट प्रभावित हुआ है। दुकानदारों का कहना है कि महंगे दाम पर खरीदे गए सामान के कारण उन्हें भी नुकसान का डर है। वहीं मिठाई कारोबारियों के अनुसार चीनी महंगी होने से मिठाइयों की लागत बढ़ सकती है। आम लोगों ने बढ़ती महंगाई पर चिंता जताते हुए कहा कि त्योहार मनाना भी अब मुश्किल होता जा रहा है।

## ई-लाटरी के माध्यम से कृषियंत्रों के वितरण के लिए कृषकों का किया गया चयन

**फतेहपुर (सब का सपना):-** कृषि यंत्रीकरण योजना के अन्तर्गत शुक्रवार को विकास भवन में ई-लाटरी के माध्यम से कृषकों का चयन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना की अध्यक्षता में गठित जनपद स्तरीय कार्यकारी समिति के समक्ष सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइनजेशन योजना एवं प्रमोशन आफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फार इन सीटू मैनेजमेन्ट आफ क्राप रेजीड्यू (सीआरएम) योजनान्तर्गत वर्ष 2026-27 में अनुदान पर यन्त्र क्रय करने के लिए 16 जुलाई से 10 अगस्त के मध्य कृषि विभाग के पार्टल पर आनलाइन बुकिंग करने वाले कृषकों का चयन ई-लॉटरी के माध्यम से विकास भवन सभागार में किया गया। उप निदेशक कृषि ने बताया कि इन-सीटू एवं एसएमएएम योजनान्तर्गत विभिन्न प्रकार कृषि यंत्रों के लक्ष्य के सापेक्ष 743 किसानों ने विभिन्न प्रकार के कृषि यन्त्रों की बुकिंग की गई जिसके सापेक्ष जनपद स्तर पर 109 किसानों का ई-लॉटरी के माध्यम से विभिन्न प्रकार के कृषि यन्त्रों के लाभार्थियों का चयन किया गया। जिसमें 11 कस्टम हायरिंग सेंटर (परियोजना लागत रू0 10.00 लाख), 12 रोटावेटर, 08 लेजर लैण्ड लवेलर, 02 कम्बाइन हार्वेस्टर, 02 ट्रैक्टर माउन्टेड स्प्रेयर, 02 स्ट्रारीपर, 05 पावर आपरेटड चैफ कटर, 03 मल्टीक्राप थ्रेसर, 02 मिनी राइस मिल, 02 कल्टीवेटर, 02 हैरो, 02 पावर टिलर, 02 किसान ड्रोन, 02 डी०एस०आर०, 02 आलू खुदाई मशीन, 02 आलू बुवाई मशीन, 01 ऑयलमिल विद फिल्टर प्रेस, 01 ट्रैक्टर आपरेटड कम्बाइन हार्वेस्टर, 36 सुपर सीडर, 04 कस्टम हायरिंग सेंटर (परियोजना लागत रुपये 30.00 लाख), 02 पैडी स्ट्रा चॉपर, 01 हे-रेक, 01 पावर वीडर, 01 रिर्वसेबुल एम०बी०प्लाऊ एवं 01 क्राप रीपर ट्रैक्टर माउन्टेड के लिए जनपद के विभिन्न विकास खण्डों के कृषकों का चयन किया गया। इसके अतिरिक्त कृषि निदेशालय द्वारा लक्ष्य के बराबर बुकिंग होने के कारण विभिन्न प्रकार के 40 किसानों का स्वतः चयन किया गया है। उप कृषि निदेशक ने किसानों को बधाई देते हुए कहा कि कृषि विभाग द्वारा चयनित कृषकों को कृषि यंत्र मानक के अनुरूप नियमानुसार पंजीकृत फर्म से खरीद कर अतिशीघ्र निर्धारित समय सीमा के अन्दर कृषि विभाग के पोर्टल पर बिल अपलोड कर दें। जिससे अतिशीघ्र सत्यापन के बाद अनुदान की धनराशि प्रेषित की जा सके। इस दौरान ई-लाटरी समिति के सदस्य उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, एल०डी०एम०, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी, प्रगतिशील कृषक, सेल्फ हेल्प ग्रुप के प्रतिनिधि सहित विभिन्न विकासखण्डों के यंत्र बुकिंग करने वाले लगभग 150 किसान उपस्थित रहे।

## बरई खुर्दे गाँव में सहकारी समिति का पूर्व विधायक ने फीता काट कर किया उद्घाटन

**फतेहपुर (सब का सपना):-** जिले के भिटौरा विकास खंड क्षेत्र के अन्तर्गत बरई खुर्दे गाँव में बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लि. बी पैक्स के नवीन प्रतिष्ठान का पूर्व विधायक विक्रम सिंह द्वारा उद्घाटन किया। कार्यक्रम में उपस्थित सचिव आशीष प्रताप सिंह ०क्षेत्र वासियों ने पूर्व विधायक विक्रम सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया। जिसकी स्थापना बरई खुर्दे गाँव में स्थापित किया गया है। शुक्रवार को पूर्व विधायक विक्रम सिंह ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति लि. बी पैक्स मोहम्मदपुर कला के नवीन प्रतिष्ठान के शुभारम्भ होने से सभी किसानों को बेहद लाभ मिलेगा। सभी किसान जो अन्य समितियों में जाकर खाद एवं कीटनाशक लेते थे। आज उनको उन्ही के ग्राम पंचायत के पास में मिलेगी। अब सभी किसानो को दूर भटकने की जरूरत नही है ! वही पूर्व विधायक ने कहाकि भाजपा की सरकार में सबका साथ सबका विकास की भावना से कार्य करना आज ग्रामीणों को मजबूत कर रही है।भाजपा सरकार में सभी लोंगो को उनके पास के क्षेत्र में ही सभी सुविधा पहुचाने का कार्य किया जा रहा है। गरीबों ०वंचितों को सरकार ने बहुत सी ऐसी योजनायें बनायीं है जो आज उनको लाभ प्रदान कर रही है। कार्यक्रम में उपस्थित अभिषेक प्रताप सिंह अध्यक्ष बिलंदा कॉपरेटिव ने विक्रम सिंह पूर्व विधायक के अथक प्रयासों से यह समिति की स्थापना की गई है। पूरे क्षेत्रवासियों आपके आजीवन आभारी रहेंगे ।कि आपने सबके साथ किसानों के बारे में चिन्ता करके यह समिति की स्थापना कराई। वही उपस्थित सैकड़ो किसानों ने विक्रम सिंह का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

उद्घाटन समारोह में सचिव आशीष प्रताप सिंह, अभिषेक प्रताप सिंह अध्यक्ष बिलंदा कॉपरेटिव, आशीष लोधी, ग्राम प्रधान सन्तलाल पाल , सुधांशू पाण्डेय मण्डल अध्यक्ष, सुनील पासवान, अंकित मिश्रा कॉपरेटिव, अंगद पाल, रमेश पाल, रईस अहमद, ओम प्रकाश लोधी, डॉ अर्जुन लोधी, राधे लोधी, विजय लोधी समेत सैकड़ो क्षेत्रीय किसान मौजूद रहे ।

## टैंकर में मिला मिलावटी दूध, 1.20 लाख का दूध नष्ट

**मथुरा।** खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने शुक्रवार को राया रेलवे फाटक पर कार्रवाई करते हुए 2000 लीटर दूध से भरे टैंकर को पकड़ा। त्वरित जांच में दूध में स्टार्च की मौजूदगी और फैट की मात्रा कम पाए जाने पर खाद्य विभाग ने दूध का नमूना लेकर जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजा। वहीं, शेष करीब 1.20 लाख रुपये कीमत के दूध को जनहित में मौके पर नष्ट करा दिया गया। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश लखनऊ तथा जिलाधिकारी मथुरा के आदेश के अनुपालन में सहायक आयुक्त (खाद्य) डॉ. जतिन कुमार सिंह के निर्देशन एवं नेतृत्व में खाद्य सचलदल ने राया रेलवे फाटक पर दूध टैंकर संख्या यूपी 86 एटी 0875 का निरीक्षण किया। टैंकर चालक हेमनेस कुमार ने टीम को बताया कि उसमें करीब 2000 लीटर दूध गोपाल डेयरी, सिकंदराराऊ (हाथरस) से लाया गया है। निरीक्षण के दौरान चालक दूध के क्रय-विक्रय से संबंधित अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका। दूध की गुणवत्ता पर संदेह होने पर राया स्थित डेयरी पर टैंकर में भरे दूध की त्वरित जांच की गई। जांच में दूध में स्टार्च मिलने के साथ ही फैट की मात्रा कम पाई गई। इसके बाद खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने दूध का नमूना संग्रहित कर राजकीय खाद्य प्रयोगशाला में जांच के लिए भेज दिया। शेष दूध को जनहित में तत्काल नष्ट करा दिया गया। नष्ट किए गए दूध की अनुमानित कीमत करीब 1.20 लाख रुपये बताई गई है। खाद्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद संबंधित के खिलाफ नियमानुसार अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेंद्र सिंह और जितेंद्र सिंह मौजूद रहे।

## डिडौली क्षेत्र में 4 दिन से लापता 3 साल की बच्ची का शव तालाब में मिला,पुलिस कर रही जांच-पड़ताल

**डिडौली/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के थाना डिडौली क्षेत्र में लापता हुई एक 3 साल की बच्ची का शव शुक्रवार को चौथे दिन पुलिस ने एक तालाब से बरामद किया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही बच्ची की मौत का कारण साफ हो सकेगा। फिलहाल पुलिस इस मामले में गहनता से जांच पड़ताल में जुटी है। बता दें कि पूरा मामला थाना डिडौली क्षेत्र के ढकिया चमन गांव का है जहां चार दिन से लापता तीन वर्षीय बच्ची अमायरा का शव शुक्रवार सुबह तालाब से बरामद हुआ। बच्ची के अचानक लापता होने के बाद से परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। पुलिस को भी इसकी सूचना दी गई थी और बच्ची की तलाश की जा रही थी। शुक्रवार की सुबह गांव के ही तालाब में शव मिलने की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया।बताया गया कि अमायरा चार दिन पहले अचानक घर से लापता हो गई थी। परिजनों ने आसपास के इलाकों में काफी तलाश की, लेकिन बच्ची का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने भी बच्ची की तलाश शुरू की और उसके लापता होने से जुड़े सभी संभावित स्थानों पर जानकारी जुटाई। शुक्रवार सुबह करीब 8:30 बजे गांव के एक तालाब में बच्ची का शव दिखाई दिया। सूचना मिलते ही डिडौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को तालाब से बाहर निकलवाया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल बच्ची की मौत कैसे हुई, यह स्पष्ट नहीं है। पुलिस लापता होने से लेकर शव मिलने तक की पूरी घटना की जांच कर रही है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही बच्ची की मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस फिलहाल सभी संभावनाओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच पड़ताल कर रही है। बच्ची के लापता होने और तालाब में शव मिलने के बीच की परिस्थितियों को भी खंगाला जा रहा है। पुलिस गांव और आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। बच्ची के लापता होने के समय उसके आसपास कौन-कौन लोग थे, इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है। इसके अलावा पुलिस स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## एक्शन मोड में दिल्ली नगर निगम: 75 KM रेलवे ट्रैक पर एंटी-लार्वा स्प्रे, मच्छरों के खिलाफ मेगा अभियान

**नई दिल्ली।** दिल्ली में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए दिल्ली नगर निगम ने विशेष अभियान शुरू किया है। शुक्रवार को महापौर प्रवेश वाही ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से ह्यमॉस्किटो टर्मिनेटर ट्रेन-2026 (एमटीटी-2026) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। निगम और उत्तर रेलवे के संयुक्त अभियान के तहत पहले चरण में करीब 75 किलोमीटर रेलवे ट्रैक और उसके आसपास के क्षेत्रों में एंटी-लार्वल दवाइयों का छिड़काव किया जाएगा।

पानी जमा होने की समस्या महापौर ने कहा कि बारिश के दौरान रेलवे ट्रैक के किनारे निचले इलाकों और अन्य स्थानों पर पानी जमा होने से मच्छरों के प्रजनन की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे स्थानों पर मच्छरों के प्रजनन चक्र को शुरूआती स्तर पर ही रोकना अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ दिल्ली ही स्वस्थ दिल्ली की मजबूत नींव है। मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वच्छता, जलभराव रोकने और मच्छरों के प्रजनन स्रोतों को समय रहते खत्म करना जरूरी है।

## नूडल्स खाने से परिवार के छह सदस्य बीमार, जांच को भेजा गया नमूना

**सम्भल(सब का सपना):-** जनपद के ग्राम गुमसानी में नूडल्स खाने के बाद एक ही परिवार के छह सदस्यों की तबीयत खराब होने की शिकायत सामने आने के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने पीड़ित परिवार से जानकारी लेने के साथ ही संबंधित किराना दुकान का निरीक्षण कर नूडल्स का नमूना जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा है। दैनिक समाचार पत्रों में नूडल्स खाने से स्वास्थ्य खराब होने की खबर प्रकाशित होने के बाद शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजीव कुमार करीब 9:50 बजे ग्राम गुमसानी पहुंचे। उन्होंने ज्ञान सिंह पुत्र पूरन सिंह के घर पहुंचकर मामले की जानकारी ली। ज्ञान सिंह ने बताया कि उनकी बेटी ने पड़ोस स्थित सुरेन्द्र की दुकान से चार पैकेट नूडल्स खरीदे थे। प्रत्येक पैकेट 22 ग्राम का बताया गया है। परिवार के अनुसार नूडल्स खाने के करीब 30 मिनट बाद परिवार के छह सदस्यों की तबीयत खराब होने की शिकायत हुई। परिजनों ने घर पर मौसमी का जूस और ओआरएस का सेवन कराया। इसके बाद परिवार के सदस्यों का गुमसानी स्थित निजी अस्पताल में उपचार कराया गया। वर्तमान में सभी की हालत ठीक बताई गई है। मामले की जानकारी के बाद खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजीव कुमार ने गुमसानी स्थित सुरेन्द्र सिंह किराना,जनरल स्टोर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खाद्य कारोबारकर्ता सुरेन्द्र सिंह पुत्र विजय सिंह द्वारा खाद्य कारोबार से संबंधित पंजीकरण प्रस्तुत नहीं किया जा सका। दुकान में मानव उपभोग एवं सार्वजनिक बिक्री के लिए रखे गए उसी बैच के नूडल्स का नमूना खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने संग्रहित किया। नमूने को जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही नूडल्स की गुणवत्ता और स्वास्थ्य खराब होने के कारणों के संबंध में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। खाद्य विभाग के अनुसार निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान का खाद्य पंजीकरण प्रस्तुत नहीं किए जाने पर दुकान को पूर्णतः बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। संबंधित कारोबारी को खाद्य पंजीकरण प्राप्त करने के बाद ही खाद्य कारोबार संचालित करने के लिए निर्देशित किया गया है। खाद्य विभाग की कार्रवाई के बाद अब प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट का इंतजार है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

हृदय रोग की समस्या जीवनशैली से जुड़ी है जो हमारी अज्ञानता, अत्यधिक व्यस्तता, तनाव, व भोजन की गलत आदतों के कारण बढ़ रही है। इसके उपचार के लिए सर्जरी के अलावा खानपान में भी परिवर्तन लाना होता है...

# बंद धमनियां : जीवनशैली में बदलाव जरूरी

**आज** की इस भागती-दौड़ती जिंदगी का सबसे बड़ा शिकार हुआ है हमारा दिल, जो हमारे शरीर का सबसे नाजुक भाग भी है। हर चौबीस घंटे में एक लाख बार धड़कने वाले इस दिल पर ही हमारा जीवन आश्रित है। दिन-प्रतिदिन हृदय रोगों का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। दुनिया भर में हार्ट अटैक मौत का एक प्रमुख कारण बना हुआ है। लगभग 8 से 10 से प्रतिशत लोग हार्ट अटैक से एक माह के अंदर और लगभग 10 प्रतिशत हार्ट अटैक के बाद पहले साल में ही मौत के मुंह में चले जाते हैं। एक चौंकाने वाला आंकड़ा यह है कि जहां विकसित देशों में हृदय रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है। दरअसल यह बीमारी व्यक्तियों की जीवनशैली से जुड़ी है जो हमारी अज्ञानता, अत्यधिक व्यस्तता, तनाव व भोजन की गलत आदतों के कारण बढ़ रही है।

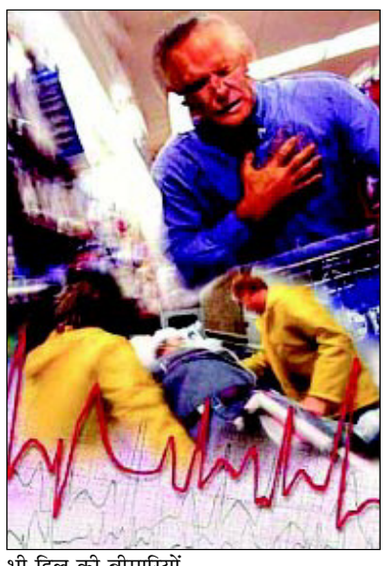

### बीमारी का कारण ?

नई दिल्ली स्थित साओल हार्ट सैंटर के निदेशक डा. बिमल छाजेड़ का कहना है कि पुरूषों की तरह ही महिलाओं के लिए भी दिल की बीमारियों के लिए धूम्रपान, उच्च रक्तचाप, आनुवांशिक आदि तथ्य शामिल होते हैं। कुछ पल के लिए अपनी जीवनशैली, पारिवारिक इतिहास और अपने सामान्य स्वस्थ्य की ओर देखें, यद्यपि आप अपने पारिवारिक इतिहास या आयु के बारे में कुछ नहीं कर सकते, लेकिन आप बहुत से अन्य तथ्यों को बदल तो सकते हैं। तो बताए गए कारणों के साथ आज हार्ट-अटैक का सर्वोपरि कारण है कोलेस्ट्रोल। शरीर में सामान्य मात्रा में कोलेस्ट्रोल का होना स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। अगर शरीर में जरूरत से ज्यादा कोलेस्ट्रोल हो तो एयेस्कलेरोसिस रोग होता है। इस रोग में धमनियों में मोम जैसा पदार्थ जम जाता है जिससे वे बहुत संकरी हो जाती हैं। इससे रक्त का प्रवाह सही तरह से नहीं हो पाता है जिससे दिल का दौरा पड़ जाता है।

### लक्षण और इलाज

एंजाइना या हार्ट अटैक का रोग हृदय की तीन शिराओं में कोलेस्ट्रोल के जमने से होता है। कोलेस्ट्रोल जमने की वजह से हृदय की मांसपेशियों में ऑक्सीजन की कमी से एंजाइना का दर्द होता है। अधिक तेज दर्द से कई बार मरीज की जान बचाना मुश्किल हो जाता है। अक्सर सीने, छाती तथा शरीर के ऊपरी हिस्सों में होने वाले दर्द को लोग पेट में होने वाली गैंस का दर्द समझ बैठते हैं और घरेलू अथवा आसपास के डॉक्टरों के पास भागते हैं। दरअसल उसी समय यदि हृदय रोग विशेषज्ञों से जांच करवायी जाए तो उस दर्द वास्तविक कारण पता चल सकता है और फिर उपचार होने पर व्यक्ति हृदयाघात से बच सकता है।

### क्या विकल्प है ?

डा. बिमल छाजेड़ का कहना है कि आज इन सभी थैरेपियों से अलग एक नई पद्धति है जो हृदय रोगियों के लिए स्थायी उपचार प्रदान करने के लिए एक आधुनिक तकनीक है जिसे 9 बायोकैमिकल एंजियोप्लास्टी के नाम से जाना जाता है। दरअसल ये ब्लॉकेज (हृदय की धमनियों में रूकावट) एकदम से नहीं बनते, ये धीरे-धीरे बनते हैं लेकिन जिस तरह ये बनते हैं उन्हें वैसे ही घटाया भी जा सकता है। यह तकनीक ठीक उसी तरह काम करती है जिस प्रकार आजकल घर की औरतें रसोईघर के रूके हुए पाइपों को साफ करने के लिए उसमें ड्रेनैक्स डाल जाता है। जिससे फंसे हुए या जमें हुए कण बाहर आ जाएं व धमनियां पुनः ठीक प्रकार से काम करने लगें। यह इस चिकित्सा की बहुत बेहतर व सुरक्षित पद्धति है क्योंकि इसमें रोगी के शरीर में किसी भी प्रकार की चीड़फाड़ करने की आवश्यकता नहीं होती, रोगी को अस्पताल में भर्ती करने की भी जरूरत नहीं होती, कुछ रोगियों को केवल दो या तीन हफ्तों में ही इस बीमारी से निजात मिल जाती है। इस चिकित्सा के परिणाम अधिक प्रभावशाली हो सकते हैं यदि इन्हें जीवनशैली बदलाव कार्यक्रम जैसे (खाना पीना, व्यायाम, योग ध्यान, स्ट्रेस-मैनेजमेंट) के साथ अपनाया जाए। याद रखिए कि हृदय संबंधी रोगों के पनपने का कारण है रक्त में चर्बी या कोलेस्ट्रोल का बढ़ना, उच्च रक्तचाप, नशा करना, दिमागी तनाव, मधुमेह, मोटापा, व्यायाम न करना, ठीक प्रकार से खाना न खाना आदि। यदि हम इन सब पर पूरा ध्यान दे पाएं तो हृदय रोगों को कम किया जा सकता है। आज यहां कई ऐसे तथ्य मौजूद हैं जिनसे यह साबित हो सकता है कि बॉयोकैमिकल एंजियोप्लास्टी जादुई असर करती है।

# हेल्थ प्लस

## क्या नहीं है करेले में?

- करेले की सब्जी बना कर खाने से कब्ज व गैस की शिकायत दूर होती है। साथ ही रक्त साफ होता है जिससे शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है।
- करेले का रस पीने से पेट के कीड़े मरते हैं।
- करेले के रस से कुल्ले करने से मुंह के छाले ठीक हो जाते हैं।
- मधुमेह, बवासीर, लकवा आदि रोगों में करेला लाभकारी है।
- करेले के रसपान से शरीर के फोड़े-फूंसियां दूर होते है।

## आयरन का भरपूर खजाना हैं 'पालक' में

**पालक** लौह तत्त्व (आयरन) से भरपूर सब्जी है। इसकी तासीर ठंडी होती है। शरीर में खून बनाने में पालक बहुत सहायक सिद्ध होता है। पालक को पकाने से इसके अंदर मौजूद गुण नष्ट नहीं होते। कब्ज के इलाज में पालक का नित्य सेवन रामबाण है। नियमित रूप से कुछ दिन पालक की सब्जी का सेवन करने से कब्ज से छुटकारा मिलता है।

जिसे रात में बार-बार पेशाब आता हो उसके लिए संध्या में पालक की सब्जी खाना लाभप्रद है। इससे कुछ दिनों में यह शिकायत दूर हो जाती है। पायरिया के रोग में भी पालक काफी उपयोगी सिद्ध होता है। पालक के रस का सुबह सेवन करने से पायरिया से मुक्ति मिलती है। आंतों की सूजन अथवा आंतों के किसी भी रोग में पालक की सब्जी खाना लाभदायक होता है। यह उदर विकारों को भी दूर करता है।

पालक के उपयोग के साथ कुछ सावधानियां बरतना आवश्यक है। पालक के पत्तों को बहुत अच्छी तरह खुले पानी में सफाई से धोयें, और फिर थोड़ी देर इन्हें पोटाश के पानी में भिगोकर रख दें। ऐसा करने से इनके पत्तों पर मौजूद कीड़े-मकोड़े मर जाते हैं। फिर साफ पानी से धोकर इसे इस्तेमाल किया जा सकता है। बरसात केमहीनों में पालक के सेवन से बचें। इन दिनों मौसमी कीड़े-मकोड़े अधिक होते हैं, जो इन पत्तों के साथ शरीर में प्रवेश कर सकते हैं जिन पर पोटाश का भी असर नहीं होता।

पालक की सब्जी में चूंकि लवण और जल की मात्रा अधिक होती है, इसलिए नमक का इस्तेमाल नाम मात्र ही करना बेहतर होगा।

# मोटापा और शरीर में फैट सैल्स

**वजन कम करने या बढ़ाने से सिर्फ कोशिकाओ में स्टोर किये गये फैट की मात्रा की प्रभावित होती है, कोशिकाओं की संख्या पर कोई फर्क नहीं पड़ता।**

**आप** मोटे हैं या पतले, भले ही आपका वजन बढ़ता हो या घटता हो, लेकिन हर साल आपकी 10 प्रतिशत फैट कोशिकाएं मर जाती हैं और हर साल जो कोशिकाएं मरती हैं उनकी जगह नयी फैट कोशिकाएं उनका स्थान ले लेती हैं। ऐसा स्वीडन के शोधकर्ताओं का कहना है। इसका नतीजा यह होता है कि साल दर साल, पूरे वयस्क जीवन तक, शरीर में फैट कोशिकाओं की कुल संख्या समान रहती है। वजन कम करने या बढ़ाने से सिर्फ कोशिकाओ में स्टोर किये गये फैट की मात्रा ही प्रभावित होती है, कोशिकाओं की संख्या पर कोई फर्क नहीं पड़ता।

यह शोध हाल ही में ऑनलाइन नेचर पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन में कहा गया है कि मोटापे की जांच करने वाले शोधकर्ताओं ने कुछ चुटकी लेने वाले प्रश्न उठाये हैं। मसलन, यह कैसे तय होता है कि व्यक्ति के शरीर में कितनी फैट कोशिकाएं हैं, इसी किस्म के अन्य सवाल हैं-

**फैट कोशिकाओं की संख्या कब तय होती है ?**

क्या कोई हस्तक्षेप का ऐसा तरीका है कि वयस्क होने तक लोगों में फैट कोशिकाओं की संख्या कम हो जाये ?

**फैट कोशिकाओं की मृत्यु दर को जन्म दर से तेज करके क्या मोटापे का इलाज किया जा सकता है ?**

'यह मोटापे को देखने का बिलकुल नया तरीका है।' ऐसा लेस्टर सैलान्स का कहना है। वह मोटापे के शोधकर्ता और न्यूयार्क स्थित माउंट सिनाई स्कूल ऑफ मेडिसिन में एमिरेट्स प्रोफेसर हैं। लेकिन फिलहाल के लिए, शोधकर्ताओं के अनुसार, उनके पास इन प्रश्नों का उत्तर देने के लिए कोई रास्ता नहीं है। एक अन्य मोटापे के शोधकर्ता व हार्व 24 मेडिकल स्कूल में डीन जैफरी लासर का कहना है, 'एक सिस्टम इंतजार में है, जिसकी खोज की जानी है।' लासर व अन्य मोटापे पर शोध करने वालों ने इस संदर्भ में सावधानी बरतने को कहा है कि अगर वैज्ञानिकों को यह मालूम भी हो जाये कि फैट कोशिका सिस्टम किस तरह से काम करता है तो भी यह स्पष्ट नहीं है कि मोटापे का हस्तक्षेप करके इलाज करना सुरक्षित रहेगा। पिछले कई दशकों के अध्ययन ने एक कड़वा पाठ यह पढ़ाया है कि वजन बरकरार रखने के लिए शरीर के पास अतिरिक्त नियंत्रण हैं। सैलान्स का कहना है, 'मेरा मानना है कि शरीर के पास वजन को नियंत्रित करने का इतना जटिल तरीका है कि अगर आप एक जगह हस्तक्षेप करें तो इस हस्तक्षेप को निरस्त करने के लिए किसी दूसरी जगह कुछ और हो जायेगी।'

**लेकिन इस खोज से यह फायदा हुआ है कि मोटापे से संबंधित प्रश्नों को संबोधित करने के लिए नये रास्तों की तलाश की जा रही है। मसलन, उन लोगों के साथ क्या होता है जो एडल्टहुड तक पतले रहते हैं और उसके बाद उनका वजन बहुत बढ़ जाता है ?**

अध्ययन का फोकस उन लोगों पर था जो बचपन से ही मोटे थे जो कि एडल्ट मोटापे के लिए सामान्य रास्ता है। जो लोग बाद में मोटे होते हैं उनके लिए स्थिति भिन्न हो सकती है। शायद उनमें वास्तव में नयी फैट कोशिकाएं विकसित हो जाती हों-जो कोशिकाएं उनके पास थीं वे फैट से इतनी भर गयी हैं कि और फैट संभाल न पा रही हों।

**एक अन्य प्रश्न यह है कि लिपोसक्शन के जरिये जो फैट कोशिकाएं हटायी जाती हैं, क्या वह फिर से विकसित हो जाती हैं ?**

इन दोनों ही प्रश्नों पर स्वीडन के शोधकर्ता नये सिरे से जांच कर रहे हैं।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** चू चे चो ला ली लू ले लो आ

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

**वृष** इ उ ए ओ वा ची वू वे वो

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

**मिथुन** का की कू घ ङ छ के को हा

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

**कर्क** ही हू हे हो डा डी डू डे डो

शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

**सिंह** मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

**कन्या** टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

**तुला** रा री रु रे रो ता ती तू ते

महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

**वृश्चिक** तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

**धनु** ये यो भा भी भू धा फा ढा मे

संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

**मकर** भे जा जी खी खू खे खो गा गी

व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

**कुंभ** गू गे गो सा सी सू से सो दा

कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

**मीन** दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

## काकुरो पहेली - 3985

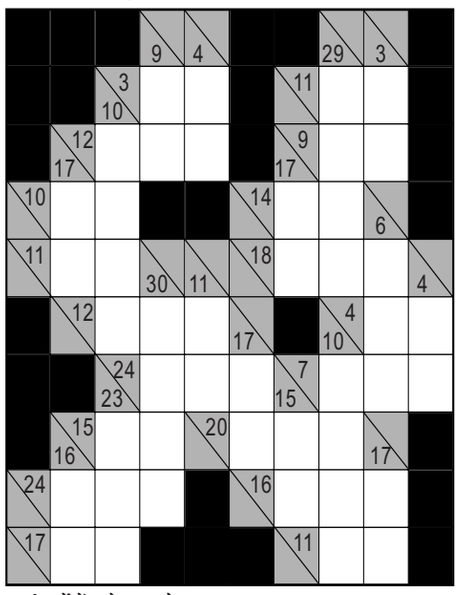

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

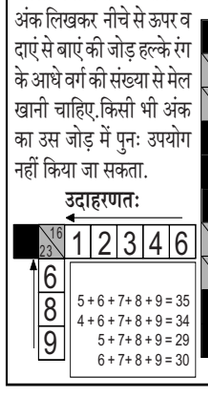


**काकुरो - 3984 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | 3 24 | ■ | ■ | ■ | ■ | ■ | ■ | ■ |
| 11 2 | 9 | ■ | 30 | ■ | 16 10 | ■ | 7 | 4 |
| 17 1 | 7 | 9 | ■ | 11 9 | 2 | ■ | 4 | 3 |
| ■ | 15 8 | 7 | ■ | 10 7 6 | 3 | 3 6 | 2 | 1 |
| ■ | ■ | 7 7 | 6 | 1 | 8 | 4 | 3 | 1 |
| ■ | 11 4 | 1 | 8 | 2 | 3 3 | 1 | 2 | 30 11 |
| 3 | 1 | 2 | 4 10 | 3 | 1 | 9 17 | 1 | 6 | 2 |
| 8 | 3 | 4 | 1 | 11 17 | 2 | 9 | 16 | 7 | 9 |
| ■ | ■ | 16 | 7 | 9 | 24 | 8 | 7 | 9 | ■ |
| ■ | ■ | 10 | 2 | 8 | ■ | 17 | 9 | 8 | ■ |

## हंसी के फव्वारें

दो बेवकूफ एक नाव में यात्रा कर रहे थे. अचानक नाव में एक छेद हो गया. जब नाव में पानी भरने लगा तो एक बेवकूफ ने चिन्तित होते हुए कहा-'नाव में पानी भर रहा है.'

'लगता है कोई छेद हो गया है.' दूसरा बेवकूफ बोला.

'फिर ?'

'एक छेद और कर देते हैं. एक छेद से पानी आ रहा है, दूसरे छेद से निकल जायेगा.' दूसरे बेवकूफ ने सुझाव दिया तो पहले बेवकूफ ने सिर हिलाकर उसकी बात का अनुमोदन कर दिया.

□ □ □

एक भिखारी ने एक बार लाटरी का टिकट खरीद लिया. टिकट खरीदने के बाद वह उछलने-कूदने लगा. अन्त में वह घर पहुंचकर अपनी घरवाली से बोला-'मैंने लाटरी का टिकट खरीद लिया है. अब हम बहुत जल्दी लखपति बनने वाले हैं.'

'ओह!'

घरवाली करवट बदलते हुए बोली-'यह कितनी अच्छी बात है. फिर तो हम कार में बैठकर भीख मांगा करेंगे!'

□ □ □

एक अभिनेत्री को अपना पासपोर्ट बनवाना था. उसे एक फार्म भरने को दिया गया. उस फार्म में एक प्रश्न यह भी था-'आप विवाहित हैं, अविवाहित हैं या तलाकशुदा ?'

अभिनेत्री ने तुरन्त जवाब लिखा-'तीनों !'

## फिल्म वर्ग पहेली- 3985

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | 2 | 3 | ■ | 4 | 5 | | 6 | |
| | ■ | 7 | | 8 | ■ | | ■ | | ■ |
| ■ | 9 | ■ | ■ | 10 | 11 | | ■ | 12 | 13 |
| 14 | | | ■ | 15 | | ■ | 16 | | |
| ■ | | ■ | 17 | | ■ | 18 | | ■ | |
| 19 | ■ | 20 | | ■ | 21 | ■ | | ■ | |
| 22 | | ■ | | ■ | 23 | 24 | | 25 | ■ |
| | ■ | 26 | ■ | 27 | | | ■ | 28 | 29 |
| 30 | | | | ■ | ■ | 31 | | ■ | |
| | ■ | | ■ | 32 | | | ■ | 33 | |

**बायें से दायें:-**

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार बॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
१४. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

**ऊपर से नीचे:-**

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

**फिल्म वर्ग पहेली- 3984**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| उ | म्मी | द | ■ | छ | लि | या | ■ | मे | ला |
| त्स | ■ | डॉ | न | ■ | बा | र | द | री | ■ |
| व | च | न | ■ | वा | स | ना | ■ | जं | ग |
| ■ | र | ■ | सौ | दा | ■ | ■ | आ | ग | ■ |
| आ | स | रा | ■ | ■ | पा | की | जा | ■ | ग |
| रा | ■ | जा | नू | ■ | ल | ■ | द | रा | र |
| ध | र्मा | ■ | त | र | की | ब | ■ | ■ | म |
| ना | ■ | जी | न | त | ■ | ना | च | ■ | म |
| ■ | ■ | ने | ■ | न | ज | र | ■ | प्पा | सा |
| खा | न | दो | स्त | ■ | ■ | स | नी | ■ | ला |

## सूडोकु -3985

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 2 | | | | 3 | |
| | | 9 | | 8 | | 2 | 6 | 4 |
| 1 | | | | 3 | 6 | | 9 | |
| 4 | | 3 | | | | | | |
| | 8 | | | 2 | | | 1 | |
| | | | | | | 8 | | 6 |
| | 4 | | 7 | 5 | | | | 3 |
| 3 | 7 | 5 | | 4 | | 1 | | |
| | 2 | | | | 8 | | | |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु -3984 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 4 | 5 | 6 | 1 | 3 | 7 | 2 | 9 |
| 7 | 2 | 6 | 4 | 9 | 5 | 3 | 8 | 1 |
| 9 | 3 | 1 | 7 | 8 | 2 | 6 | 5 | 4 |
| 1 | 7 | 2 | 9 | 6 | 8 | 4 | 3 | 5 |
| 5 | 6 | 9 | 3 | 2 | 4 | 1 | 7 | 8 |
| 4 | 8 | 3 | 5 | 7 | 1 | 9 | 6 | 2 |
| 2 | 9 | 7 | 1 | 5 | 6 | 8 | 4 | 3 |
| 3 | 1 | 8 | 2 | 4 | 7 | 5 | 9 | 6 |
| 6 | 5 | 4 | 8 | 3 | 9 | 2 | 1 | 7 |

## शब्द पहेली - 3985

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | | 2 | ■ | ■ | ■ | 3 | | | 4 |
| | ■ | ■ | 5 | 6 | | 7 | | ■ | ■ | |
| 8 | 9 | ■ | 10 | | ■ | 11 | | ■ | 12 | |
| 13 | | 14 | ■ | 15 | 16 | | ■ | 17 | | |
| ■ | 18 | | 19 | ■ | | ■ | 20 | | ■ | ■ |
| ■ | | ■ | 21 | | ■ | 22 | | ■ | 23 | ■ |
| ■ | ■ | 24 | | ■ | 25 | ■ | 26 | 27 | | ■ |
| 28 | 29 | | ■ | 30 | | 31 | ■ | 32 | | 33 |
| 34 | | ■ | 35 | | ■ | 36 | 37 | ■ | 38 | |
| | ■ | ■ | 39 | | | | | ■ | | |
| 40 | | | | ■ | ■ | ■ | 41 | | | |

**बाएँ से दाएँ**

1. पक्षियों का शोर-4
3. मुठभेड़,भिड़ंत-4
5. क्रोधित होवा-5
8. लाश,पार्थिव देह-2
10. नवीन-2
11. सरिता-2
12. संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13. दोजख,नर्क-3
15. नमकीन लवण-3
17. बेकार-3
18. आंचल-3
20. फायदा,लाभ-2
21. चिट्ठी,पत्र-2
22. जी,चित-2
24. संपूर्ण-2
26. कुचलना,दबाना-3
28. दाड़म,एक फल-3
30. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32. खिचड़ी,पुलाव-3
34. मां,आई-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. सौतन-2
38. लीन-2
39. चमकीला-5
40. नसीब,किस्मत-4
41. चुनौती-4

**ऊपर से नीचे**

1. दलाली-4
2. स्वदेश,जन्मभूमि-3
3. दौंडी पीटना-3
4. बेमिसाल-4
6. इसमें तलवार रखते हैं-3
7. मापदंड,आदर्श-3
9. इच्छित वस्तु-4
12. जीरक,कणिका-2
14. थोड़ा,जरा-2
16. आनंद-2
17. क्रोधित,रुष्ट-2
19. अदा-3
20. पति की बहन-3
23. मन को हरने वाला-4
24. निष्कर्ष-2
25. उम्मीद-2
27. वोट,अभिमत-2
28. धरोहर,थाती-4
29. रिश्ता-2
30. नकद राशि,रोकड़-3
31. संधिपत्र,मसविदा-3
33. रीति अनुसार-4
35. अदृढ,तर्कहीन-3
37. द्रव पदार्थ-3

**शब्द पहेली -3984 का हल**

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | स | ला | म | त | ■ | म | हा | व | र | ■ |
| का | म | ■ | ही | र | ■ | म | सि | ■ | थ | ल |
| फी | ■ | शा | न | ■ | वं | ■ | ल | ब | ■ | क्ष्य |
| ■ | ■ | य | ■ | म | हा | न | ■ | र | ■ | ■ |
| ■ | फ | र | मा | न | ■ | र | स | खा | न | ■ |
| का | की | ■ | ल | ■ | ■ | ■ | न | ■ | र | लि |
| ■ | र | नि | वा | स | ■ | ह | म | द | म | ■ |
| ■ | ■ | य | ■ | र | ज | क | ■ | स्त | ■ | ■ |
| जा | ■ | म | जा | ■ | हीं | ■ | श | क | ■ | का |
| न | ■ | शा | ■ | य | म | ■ | पा | प | ■ | सा | या |
| ■ | म | हा | का | ल | ■ | ल | थ | प | थ | ■ |

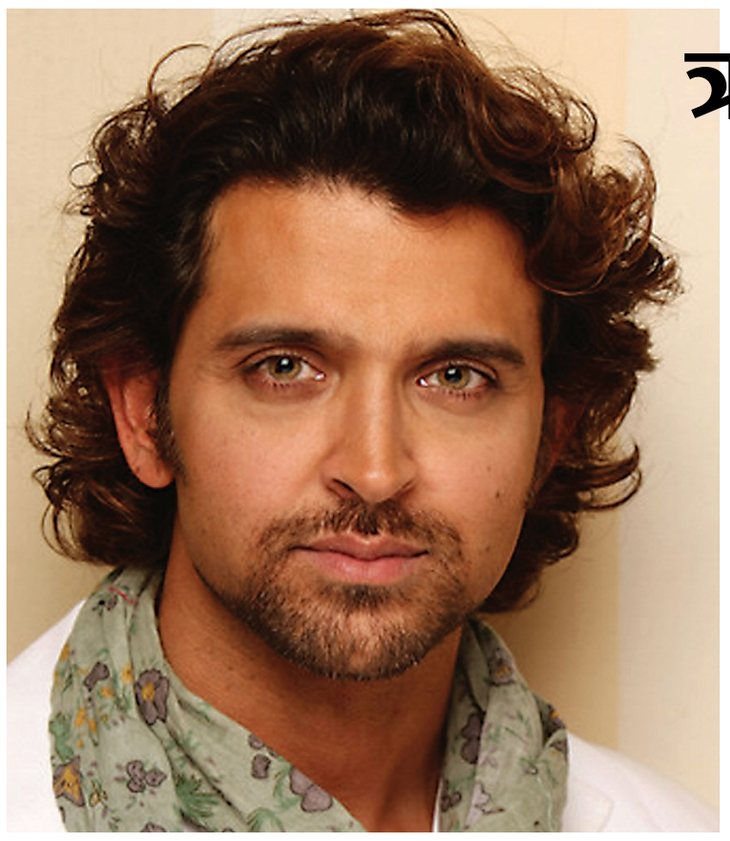

# ऋतिक-सबा के ब्रेकअप की खबरों ने पकड़ा जोर

अभिनेता ऋतिक रोशन कई साल से सबा आजाद को डेट कर रहे हैं। दोनों को अक्सर साथ में पार्टी और इवेंट में देखा जाता है। सोशल मीडिया पर भी दोनों एक-दूसरे पर खूब प्यार लुटाते हैं। मगर, इन दिनों बी-टाउन में दोनों के ब्रेकअप की अटकलों ने जोर पकड़ा है। इसकी वजह ऋतिक रोशन की प्रोफाइल का कथित तौर पर एक डेटिंग एप पर देखा जाना है।

सुजैन खान से तलाक के बाद ऋतिक रोशन की जिंदगी में सबा आजाद की एंट्री हुई है। दोनों के बीच उम्र का काफी अंतर है। मगर, आपसी समझ काफी अच्छी है। अक्सर दोनों छुट्टियां मनाने जाते हैं। साथ में पार्टी करते हैं और बॉलीवुड के कई इवेंट्स में साथ में शिरकत करते हैं। मगर, इन दिनों ऐसी अफवाहें हैं कि दोनों की राहें जुदा हो गई हैं।

## क्यों शुरू हुईं अटकलें

सबा से ऋतिक के रिश्ते में दूरी की वजह, एक डेटिंग एप पर अभिनेता की प्रोफाइल का पाया जाना है। दरअसल, 'राया' नाम के एक डेटिंग एप पर ऋतिक रोशन की प्रोफाइल होने का दावा किया गया है। इसके स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वायरल स्क्रीनशॉट में ऋतिक के प्रोफाइल बायो में 'एक्टर/ प्रोड्यूसर/ एंटरप्रेन्योर' लिखा दिख रहा है। इस वायरल प्रोफाइल के बाद ही ऐसे सवाल आ रहे हैं कि क्या दोनों का ब्रेकअप हो गया है? हालांकि, रिलेशनशिप को लेकर चल रहीं अटकलों पर अभी तक ऋतिक रोशन और सबा आजाद की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

## उर्वशी रौतेला ने भी किया था दावा

रिपोर्ट्स के मुताबिक साल 2024 में उर्वशी रौतेला ने भी एक इंटरव्यू में दावा किया था कि उन्होंने सेलिब्रिटी डेटिंग एप 'राया' पर ऋतिक रोशन और आदित्य रॉय कपूर के प्रोफाइल देखे थे। हालांकि, उर्वशी रौतेला ने सीधे-सीधे ऋतिक रोशन के रिलेशनशिप स्टेटस से जोड़कर कोई टिप्पणी नहीं की थी। मगर, उर्वशी के पुराने बयान और अब वायरल स्क्रीनशॉट को लेकर सबा और ऋतिक के रिश्ते में आई दूरी से जोड़कर देख रहे हैं। देखना होगा कि ऋतिक या सबा ऐसी अफवाहों पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

## वीर पहाड़िया को बिल्कुल अलग अंदाज में पेश करेगी 'प्रेम कीटाणु'

स्काई फोर्स से बॉलीवुड में डेब्यू करने के बाद वीर पहाड़िया लगातार बॉलीवुड में अपना दबदबा कायम करते जा रहे हैं और इसका सबूत है महेश भट्ट की नाम - टू लिव इज़ वॉर के बाद उनकी अगली थिएट्रिकल फिल्म प्रेम कीटाणु, जिसकी घोषणा उन्होंने हाल ही में की है। इस फिल्म में वीर पहाड़िया के साथ अपारशक्ति खुराना, आफिया सैयद, राकेश बेदी और निखिल विजय भी नजर आएंगे।

'प्रेम कीटाणु' का निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है, जो 'सिर्फ एक बंदा काफी है' और चर्चित सीरीज 'एस्पिरेंट्स' के लिए जाने जाते हैं। यह फिल्म गौरव वर्मा के नए लॉन्च किए गए बैनर अवनिका फिल्म्स की पहली प्रोडक्शन है, जिसे फार्स फिल्म्स के साथ मिलकर प्रस्तुत किया जा रहा है। इसकी कहानी युवाओं की आकांक्षाओं, रिश्तों और रोजमर्रा की चुनौतियों के इर्द-गिर्द घूमती इस फिल्म की कहानी एक दिल छू लेने वाली और रिलेटेबल एंटरटेनर है। हास्य और भावनाओं से भरपूर इस फिल्म में आधुनिक जीवन और प्यार को एक नए नजरिए से पेश करने की कोशिश भी की गई है। ऐसे में यह कहा जाए तो गलत नहीं होगा कि 'प्रेम कीटाणु' वीर पहाड़िया को उनके डेब्यू 'स्काई फोर्स' से बिल्कुल अलग अंदाज में पेश करेगी। 'स्काई फोर्स' में उन्होंने भारतीय वायुसेना के अधिकारी टी. विजया का किरदार निभाया था। वीर अपने करियर के शुरुआती दौर में ही अलग-अलग तरह के किरदार और जॉनर तलाश रहे हैं। जैसा कि वीर की आगामी फिल्मों की लिस्ट में डार्क एक्शन थ्रिलर 'नाम - टू लिव इज वॉर' भी शामिल है।

महेश भट्ट द्वारा प्रस्तुत और सिद्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वीर के साथ वरुण शर्मा नजर आएंगे, जो पहली बार नेगेटिव भूमिका में दिखाई देने की उम्मीद है। फिल्म का निर्माण रिद्धि चावड़ा और उत्सव उपाध्याय कर रहे हैं। 'प्रेम कीटाणु' और 'नाम - टू लिव इज़ वॉर' के जरिए वीर पहाड़िया दो बिल्कुल अलग सिनेमाई दुनिया का हिस्सा बन रहे हैं। एक ओर जहां 'प्रेम कीटाणु' रोमांस, हास्य और युवा भारत की रोजमर्रा की वास्तविकताओं को सामने लाएगी, वहीं 'नाम - टू लिव इज वॉर' में उनका एक इंटेंस और रग्ड एक्शन अवतार देखने को मिलेगा। 'स्काई फोर्स' के बाद इन दोनों फिल्मों की घोषणा वीर पहाड़िया के करियर के अगले चरण की ओर इशारा करती है, जहां अभिनेता किसी एक इमेज तक सीमित रहने के बजाय अलग-अलग जॉनर और किरदारों के जरिए अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

# रुक्मिणी वसंत ने टॉक्सिक को बताया अब तक किए हर काम से बिल्कुल अलग

मुंबई में टॉक्सिक : अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के म्यूज़िक लॉन्च पर रुक्मिणी वसंत ने फिल्म का हिस्सा बनने और मेलिसा की दुनिया में कदम रखने के अपने एक्सपीरियंस के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट उनके अब तक के किए गए काम से बिल्कुल अलग है।

टॉक्सिक को अपने लिए खास बताते हुए रुक्मिणी ने कहा, टॉक्सिक मेरे लिए, और इस फिल्म का हिस्सा रहे हर इंसान के लिए बेहद स्पेशल फिल्म है। ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनके बारे में मैं बात कर सकती हूं। जिस दुनिया में हम रहते हैं, उसका एक्सपैंसिव होना, फिल्म का स्केल... पहली बार जब मैंने इसके बारे में सुना था, तभी इसका स्केल मुझे बहुत इम्प्रेस कर गया था। हालांकि, रुक्मिणी ने बताया कि उन्हें फिल्म की तरफ सिर्फ इसका स्केल और ग्रैंड्योर ही नहीं खींच लाया, बल्कि इसके किरदारों की कॉम्प्लेक्सिटी ने भी उन्हें काफी एक्साइट किया। उन्होंने कहा, फिल्म के स्केल और इस दुनिया की ग्रैंड्योर के साथ-साथ, हर किरदार का ग्रे शेड भी बहुत शानदार है। हर किरदार इतना रॉ और इतना ह्यूमन है।

रुक्मिणी ने बताया कि वह यह जानने को लेकर काफी एक्साइटेड थीं कि टॉक्सिक की इस बड़ी दुनिया में मेलिसा की जगह क्या है और उसका बाकी किरदारों के साथ कनेक्शन कैसा है। उन्होंने कहा, मैं यह डिस्कवर करने को लेकर बहुत एक्साइटेड थी कि मेलिसा इस दुनिया में कहां फिट होती है और बाकी किरदार एक-दूसरे से कैसे जुड़े हुए हैं। यह सब किस तरह आपस में जुड़ा हुआ है, इसे लेकर मैं बहुत क्यूरियस थी। एक्टर ने यह भी माना कि यश के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना उनके लिए एक्साइटिंग एक्सपीरियंस था। रुक्मिणी ने कहा, यश सर की फैनगर्ल होना और फिर उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना, मेरे लिए यह भी एक बहुत शानदार एक्सपीरियंस था। जब रुक्मिणी से पूछा गया कि टॉक्सिक को उनके लिए इतना खास क्या बनाता है, खासकर तब जब ऑडियंस ने उन्हें इससे पहले ऐसी दुनिया या किरदार में नहीं देखा है, तो उन्होंने कहा, यह अब तक मैंने जो भी काम किया है, उससे बिल्कुल अलग है। मुझे लगता है कि इसमें एक यूनिकनेस है और उनके किरदार में एक खास तरह का जे ने से क्वा है। गीतू मोहनदास के डायरेक्शन में बनी टॉक्सिक : अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी नजर आएंगे। फिल्म 26 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

## रानी मुखर्जी को मेलबर्न में मिला खास सम्मान

**रानी मुखर्जी ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक अलग-अलग किरदार निभाए हैं। उन्होंने कभी समाज की सोच को चुनौती देने वाली महिलाओं का किरदार निभाया, तो कभी मुश्किल हालात में हिम्मत दिखाने वाली महिलाओं की कहानी पर्दे पर उतारी। अब इसी को देखते हुए उन्हें विशेष सम्मान दिया गया है। तीन दशक से ज्यादा समय से अपनी शानदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली रानी को इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में खास सम्मान दिया गया है।**

उन्हें एक्टिंग में बेहतरीन योगदान के लिए स्पेशल सिटेशन से सम्मानित किया गया। रानी के इस सम्मान को भारतीय सिनेमा में उनके लंबे और शानदार सफर के लिए एक बड़ी पहचान माना जा रहा है। उन्होंने अपने करियर में कई ऐसे किरदार निभाए हैं, जिन्हें आज भी दर्शक याद करते हैं। उनके किरदारों और फिल्मों ने भारत के साथ-साथ विदेशों में भी लोगों के दिलों तक जगह बनाई है। 'ब्लैक', 'हम तुम', 'युवा', 'बंटी और बबली', 'नो वन किल्ड जेसिका', 'हिचकी', 'मर्दानी' फ्रेंचाइजी और 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' जैसी फिल्मों में रानी की एक्टिंग को काफी पसंद किया गया है। रानी ने हर फिल्म में अपने किरदार को पूरी ईमानदारी और भावनाओं के साथ निभाने की कोशिश की है। यही वजह है कि उनके कई किरदार आज भी दर्शकों के बीच खास जगह रखते हैं। इस सम्मान के बाद रानी मुखर्जी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उनकी फिल्में, उनके किरदार और उनकी आवाज घर से बहुत दूर तक पहुंची हैं। उनके लिए यह सफर बेहद खास रहा है। रानी का यह सम्मान सिर्फ उनकी एक्टिंग को पहचान नहीं देता, बल्कि यह भी दिखाता है कि भारतीय सिनेमा की कहानियां अब दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में दर्शकों तक पहुंच रही हैं।

# आगामी एक्शन थ्रिलर फिल्म 'प्रलय' में नजर आएंगी कल्याणी प्रियदर्शनी, रणवीर सिंह ने शुरू की शूटिंग

रणवीर सिंह ने अपनी आगामी एक्शन थ्रिलर फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म में लीड रोल निभाने के साथ ही रणवीर इस फिल्म से बतौर निर्माता भी जुड़े हैं। 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद रणवीर सिंह का यह पहला प्रोजेक्ट है। इस फिल्म को लेकर अभिनेता के फैंस बेहद एक्साइटेड हैं।

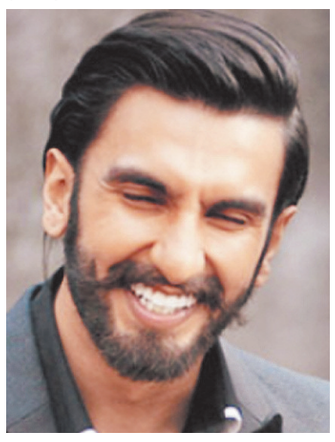

'प्रलय' को रणवीर के करियर का सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स बताया जा रहा है। फिल्म की शूटिंग मुंबई में शुरू हो चुकी है। इसे लाइव लोकेशन पर भी शूट किया जाएगा। रणवीर इस फिल्म में अभिनय करने के साथ ही इसका निर्माण भी कर रहे हैं। यह एक धमाकेदार एक्शन फिल्म होगी। रणबीर के लिए यह महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक है। फिल्म में 'लोका' फेम एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शनी भी अभिनय करती नजर आएंगी।

## बड़े पैमाने पर होगा काम

रिपोर्ट्स के मुताबिक 'प्रलय' की कहानी काफी हद तक विजुअल इफेक्ट्स पर निर्भर करेगी। फिल्म में धुआंधार एक्शन सीन्स भी होंगे। रणवीर इस फिल्म के डेवलपमेंट प्रोसेस के दौरान क्रिएटिव चर्चाओं में भी एक्टिव रूप से शामिल हुए हैं। लगभग 300 करोड़ रुपए के बजट में बनने वाली 'प्रलय' रणवीर सिंह के करियर की सबसे महंगी स्टैंडअलोन फिल्म हो सकती है।

## फिल्म 'प्रलय' के बारे में

'प्रलय' में रणवीर सिंह मुख्य किरदार में नजर आएंगे। वहीं कल्याणी प्रियदर्शन भी अहम भूमिका निभाएंगी। फिल्म का निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं। वहीं फिल्म का निर्माण अनन्या बिड़ला स्टूडियोज कर रहा है।

# '7 डॉग्स' की रिलीज को लेकर बेहद उत्साहित हूं

**अभिनेता संजय दत्त जल्द ही सलमान खान के साथ इंटरनेशनल फिल्म '7 डॉग्स' में नजर आएंगे। यह फिल्म अगले हफ्ते रिलीज होने वाली है। एक्टर ने इस फिल्म में काम करने के अपने अनुभव को साझा किया।**

फिल्म '7 डॉग्स' एक अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट है। कुछ दिन पहले ही मेकर्स ने फिल्म का नया ट्रेलर लॉन्च किया था। अब इस फिल्म के बारे में संजू बाबा ने अपने अनुभव बताए। संजू ने कहा मैं '7 डॉग्स' के दर्शकों तक पहुंचने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मुझे भारत में इसके रिलीज होने का बहुत इंतजार था। इस तरह के बड़े प्रोजेक्ट में अंतरराष्ट्रीय टीम के साथ काम करने का काफी खास अनुभव रहा है। इस तरह के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का मौका जिंदगी में बार -बार नहीं मिलता। यह फिल्म भारतीय दर्शकों को पसंद आएगी। उन्हें इसे देखकर खूब मजा आने वाला है। जब दर्शक इसे बड़े पर्दे पर देखेंगे तो उनके लिए यह अलग तरह का अनुभव होगा। अपनी बातचीत में आगे संजय दत्त ने कहा, 'मुझे लगता है भारतीय दर्शकों को इस फिल्म को खुले मन से देखना चाहिए और वे हैरान रह जाएंगे। यह एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म है, लेकिन इसकी भावनाएं दर्शकों के लिए आसानी से जुड़ने वाली हैं। इसमें एक्शन है, ड्रामा है, दमदार किरदार हैं और फिल्म को बहुत बड़े स्तर पर बनाया गया है।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।